संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, रविवार, 30 अप्रैल 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 117 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

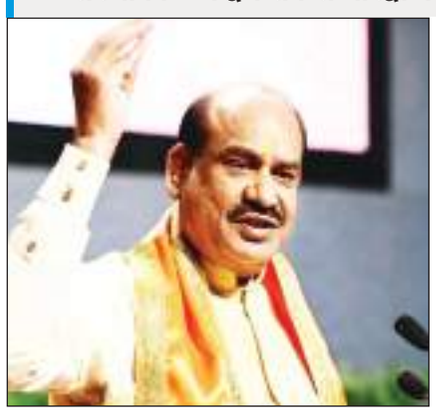

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अखिल भारतीय वैदिक विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन किया।

'डबल इंजन से होगा कर्नाटक में विकास'

मुझे कांग्रेस वालों ने 91 बार गालियां दीं, ये इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में करते तो खराब हालत नहीं होतीः मोदी

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरू

कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होंगे। वोटिंग से 11 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दो दिन के दौरे पर शनिवार को बीदर पहुंचे। उन्होंने तीन सभाएं कीं। सबसे पहले सुबह 11 बजे हुमनाबाद में जनसभा को 36 मिनट संबोधित किया। दूसरी- दोपहर सवा एक बजे विजयपुरा में। यहां वे 27 मिनट बोले। मोदी पौने 3 बजे बेलागावी के कुडाची में 38 मिनट बोले। बीदर में प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे कांग्रेस के लोगों ने 91 बार गालियां दीं। गालियों के शब्दकोष में टाइम खराब करने के बजाय अगर कांग्रेस ने इतनी मेहनत गुड गवर्नेंस में की होती तो इनकी इतनी दयनीय स्थिति नहीं होती। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 27 अप्रैल को कलबुर्गी में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री को जहरीले सांप की तरह बताया था। मोदी का इशारा खड़गे पर था। खड़गे ने कहा था कि आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं, लेकिन अगर उसे चखेंगे, तो आपकी मौत हो जाएगी। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद खड़गे ने माफी मांग ली थी।

'लखपति दीदी' बनाया'

पीएम ने कहा कि जब तक कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार रही उसने गरीबों के घर बनाने की रफ्तार धीमी कर दी। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद कर्नाटक में गरीबों को 9 लाख के आस पास पक्के घर मिलना तय हुआ। भाजपा ने बीदर में करीब 30 हजार घर बनाए हैं यानी बीदर की 30 हजार बहनों को हमने 'लखपति दीदी' बनाया है। कांग्रेस को कभी गरीब की तकलीफ समझ ही नहीं आई, इन्होने कभी गरीबी देखी ही नहीं। कांग्रेस वो दल है जो विकास में भी राजनीति करती है, रोड़े अटकाती है।

हमने बंजारा साथियों को भी विकास से जोड़ा: पीएम

पीएम ने आगे कहा, करोड़ों माताओं-बहनों के बैंक खाते बीजेपी ने खुलवाए, उसमें सरकारी मदद सीधे पहुंचे यह व्यवस्था बीजेपी ने की।

पीएम उम्मीदवार बना, तब बीदर की जनता ने आशीर्वाद दिया था: प्रधानमंत्री ने 2014 का वाकया याद करते हुए कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि इस विधानसभा चुनाव में मेरी शुरूआत बीदर से हो रही है। बीदर का आशीर्वाद मुझे तब भी मिला था जब मैं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना था। आज इतनी बड़ी संख्या में यहां आ कर आपने पूरे देश को संदेश दे दिया है कि इस बार, भाजपा सरकार। यह चुनाव कर्नाटक को देश में नंबर-1 राज्य बनाने का चुनाव है।

पीएम ने कहा कि कर्नाटक को देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए यहां डबल इंजन सरकार का होना बेहद जरूरी है।

ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से 365 भारतीय दिल्ली लौटे।

सूडान से भारत लाए गए 365 भारतीय

टीम एक्शन इंया/नई दिल्ली

सूडान में लड़ाई के बीच से निकाले गए 365 भारतीय दिल्ली लौटे। इन्हें पोर्ट सूडान से पहले सऊदी अरब के जेद्दाह ले जाया गया था। ये सूडान से बचाए गए भारतीयों का छठा बैच है। इसके अलावा शनिवार सुबह 231 भारतीयों के साथ एक और विमान नई दिल्ली पहुंचा था। वहीं, शुक्रवार रात भारतीय वायुसेना ने युद्ध में धधक रहे सूडान की जमीन पर उतरकर अपनी तरह का पहला ऑपरेशन चलाया है।

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार | G20 | आजादी का अमृत महोत्सव

जन शक्ति
एक सामूहिक सामर्थ्य
का शुभारंभ

भारत की कलात्मक विविधता का उत्सव मनाती एक प्रदर्शनी

संग्रहाध्यक्ष : डॉ. अलका पांडे

'मन की बात' के 100वें संस्करण
के अवसर पर

रविवार, 30 अप्रैल, 2023 । संध्या 6:30 बजे

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, जयपुर हाउस
इंडिया गेट हेक्सागान, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि
अंजलि इला मेनन
प्रख्यात कलाकार

गरिमामयी उपस्थिति

जी. किशन रेड्डी
माननीय केन्द्रीय संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

मीनाक्षी लेखी
माननीया संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री

CBC 0910V13/0004/2324

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

अंसारी ब्रदर्स पर भी कसा कानून का शिकंजा!

टीम एक्शन इंडिया/
लखनऊ/गाजीपुर

उत्तर प्रदेश में 29 अप्रैल, शनिवार का दिन योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया। प्रदेश में कभी दहशत का पर्याय रहा माफिया अंसारी ब्रदर्स आज सपरिवार सलाखों के पीछे पहुंच गया। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार के सुशासन और माफिया के खिलाफ प्रभावी पैरवी के चलते वर्षों पुराने गैंगस्टर केस में मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा और पांच लाख का जुमार्ना हुआ है। उसके भाई अफजाल अंसारी को चार साल की सजा और एक लाख रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाए जाते ही अफजाल अंसारी की सांसदी भी चली गई है। योगी सरकार की कोर्ट में प्रभावी पैरवी का ही नतीजा है कि एक के बाद एक प्रदेश के अपराधियों को सजा मिल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभालते ही प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेना शुरू कर दिया था। इसका परिणाम सामने है कि आज प्रदेश माफिया और अपराधियों से पूरी तरह से भय मुक्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार में पहली बार इससे पहले भी माफिया मुख्तार को सजा हो चुकी है। मुख्तार का बेटा अब्बास अंसारी पहले ही मनी लांड्रिंग के केस में सलाखों के पीछे है। मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा अंसारी, छोटा बेटा उमर अंसारी भी कई मामलों में फंसे हुए हैं और इस समय फरार चल रहे हैं। मुख्तार की बहू निखत अंसारी जेल में है। यह वही बड़े माफिया हैं जो पहले की सरकारों में खुलेआम किसी किंग की तरह जीते थे। अपना अत्याचार प्रदेश की जनता पर बेखौफ होकर करते थे। लोगों के मन मस्तिष्क में एक बोर्ड लग गया था।

पैरवी का असर

= एमपी-एमएलए कोर्ट ने माफिया मुख्तार को सुनायी 10 साल की सजा, अंसारी ब्रदर्स को 15 साल पुराने गैंगस्टर मामले में सुनायी सजा

उत्तर भारत का प्रमुख मीडिया समूह
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एक्शन इंडिया
आपका हार्दिक स्वागत करता है

संस्थापक :
श्रद्धेय राकेश भारद्वाज

स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

रविवार, दिनांक 30 अप्रैल 2023 प्रारम्भ : सांय 4.00 बजे

स्थानः "श्री दयानंद खत्री कुटीर" साफियाबाद रोड़, नरेला, दिल्ली-40

सांस्कृतिक कार्यक्रम
सम्मान समारोह
जलपान सांय 4 बजे से

कार्यक्रम संयोजक :
रामा खत्री
ब्यूरो चीफ, बाहरी दिल्ली

बेरोजगारी और कर्ज को लेकर विपक्ष का गणित कमजोर: मनोहर लाल

हरियाणा की पौने तीन करोड़ जनता मेरा परिवार है और जनता की समस्याओं का हल करने, भ्रष्टाचार को कम करने के लिए हमने व्यवस्था परिवर्तन के कई काम किए हैं: सीएम

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिछले साढ़े 8 साल से वर्तमान राज्य सरकार जन सेवा के भाव से जनता के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। हमने दिखाया है कि शासन व्यवस्था में रहते हुए एक राजनेता भी जन सेवा के कार्य कर सकता है, यह हमारे कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंडीगढ़ में देर रात एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पौने तीन करोड़ जनता मेरा परिवार है और जनता की समस्याओं का हल करने, भ्रष्टाचार को कम करने के लिए हमने व्यवस्था परिवर्तन के कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने परिवार पहचान पत्र बनाया है, जिससे जनता को सभी सुविधाएं घर बैठे ही मिल रही हैं। इसलिए पीपीपी की वास्तविक रूप से परिभाषा परमानेंट प्रोटेक्शन ऑफ पुअर पीपल है। पीपीपी के माध्यम से साढ़े 12 लाख नए राशन कार्ड दिसंबर के महीने में बनाए गए हैं। 2 लाख लोगों ने शिकायत की थी कि उनका गलत राशन कार्ड कट गया है। हमने सर्वे करवाया और लगभग सवा लाख राशन कार्ड दोबारा बना दिए हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी नेता कहते थे कि जब उनकी

सरकार आएगी तो वे पोर्टल बंद कर देंगे, मैरिट वैरिट खत्म कर देंगे। लेकिन वास्तव में आम जन को हमारी सरकार की इन नीतियों से फायदा पहुंच रहा है। इसलिए अब विपक्ष के नेताओं ने भी यह कहना शुरू कर दिया है कि वे जो पोर्टल अच्छे चल रहे हैं, उन्हें ऐसे ही चलने देंगे। इसलिए जनता सब समझ रही है। जनता पिछली सरकारों के कामों को जानती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने ओल्ड पेंशन स्कीम को बंद किया था तो क्यों किया था और आज वे नारे लगा रहे हैं कि ओल्ड पेंशन को लागू करो। केंद्र सरकार ने नई पेंशन योजना को लेकर कमेटी बनाई है, जब कमेटी का निर्णय होगा आएगा तब आगे विचार करेंगे। विपक्ष द्वारा बार बार श्वेत पत्र जारी करने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्वेत पत्र अपने काम करने के लिए कभी नहीं लाया जाता। श्वेत पत्र दूसरे दलों के खिलाफ उनकी

8 हमारा ऋण सीमा के अंदर ही है। मनोहर लाल ने कहा कि बेरोजगारी के लिए विपक्ष एक प्राईवेट एजेंसी के आंकड़े दिखाता हैं, जिसके आंकड़े सही नहीं हैं

कार्यप्रणाली के खिलाफ प्रस्तुत किया जाता है। हमारा बजट का दस्तावेज ही हमारा श्वेत पत्र है।
प्रदेश में बेरोजगारी और सरकार पर कर्ज के आंकड़ों पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का गणित बहुत कमजोर है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार जीएसडीपी के 25 प्रतिशत तक कर्ज ले सकती है और हम इस सीमा के अंदर ही हैं। कांग्रेस के समय राज्य की जीएसडीपी 3 लाख करोड़ थी, उसके हिसाब से उन्होंने ऋण लिया हुआ था। लेकिन आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है और हमारे प्रयासों से आज जीएसडीपी 10 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। इस जीएसडीपी के अनुसार ही हम ऋण ले रहे हैं। हमारा ऋण सीमा के अंदर ही है। मनोहर लाल ने कहा कि बेरोजगारी के लिए विपक्ष एक प्राईवेट एजेंसी के आंकड़े दिखाता हैं, जिसके आंकड़े सही नहीं हैं। यह संस्था कभी 24, कभी 34 और कभी 37 प्रतिशत बेरोजगारी दशार्ती है। उसके आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र पर एक एक परिवार का डाटा है और इस डाटा में जो बेरोजगार हैं, उन लोगों ने स्वयं घोषित किया है। इसके अनुसार प्रदेश में लगभग 5 -6 प्रतिशत बेरोजगारी है। इसे बेरोजगारी दर को कम करने के लिए भी लगातार रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 से 18 साल तक की आयु का बच्चा भी शिक्षा से वंचित न रहे और वह चाइल्ड लेबर की ओर न जाए, इसके लिए सरकार द्वारा ड्रॉपआउट दर को कम करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल विरोध करने के लिए हमारा विरोध कर रहा है। आज जनता सब जानती है है। जनता को यह भरोसा हो गया कि वह जो भी आरोप लगाते हैं, वे गलत हैं।

'सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय लेना है कि एसवाईएल का निर्माण कैसे होगा और कौन बनाएगा'

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण आज वर्तमान समय की जरूरत है। उपलब्ध जल का प्रबंधन और पानी को रिसाइकिल कर उसका पुन: उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में हम बढ़ रहे हैं। एसवाईएल के कारण हमें अपने हिस्से का पानी नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट हरियाणा के हक में फैसला कर चुका है। अभी भी सुप्रीम कोर्ट ने ही निर्णय लेना है कि एसवाईएल का निर्माण कैसे होगा और कौन बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से खराब हुई फसल की गिरदावरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद मई माह में किसानों को पूरा मुआवजा मिल जाएगा। हमने ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसमेंअब किसान ही अपनी फसल के नुकसान की जानकारी स्वयं देता है इसके लिए सुरक्षा की पूर्ति पोर्टल बनाया है। उन्होंने कहा कि ई टेंडरिंग से काम में पारदर्शिता आ रही है और तेजी से काम हो रहे हैं। अब लगभग सभी सरपंच इस पद्धति को अपना रहे हैं और कोई सरपंच इसका विरोध नहीं कर रहा है।

गीता बिना किसी स्वार्थ के जीने का संदेश देती है: मुख्यमंत्री मनोहर लाल

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता बिना किसी स्वार्थ के जीने का संदेश देती है और यह महान संदेश हरियाणा की धरती कुरुक्षेत्र पर दिया गया है जिस पर हमें गर्व है। मुख्यमंत्री ने आज ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन वर्चुअल मोड में जुड़े और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को गीता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किया जा रहा है और आज महोत्सव का दूसरा दिन हैं जिसमें गीता पर शांति, सौहार्द और भाईचारे पर एक

संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व कि हम भारत के एक छोटे से प्रदेश हरियाणा का हिस्सा हैं जहां पर 5160 साल पूर्व भगवान कृष्ण ने दिया गीता का उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि गीता के पहले श्लोक में ही कुरुक्षेत्र को धर्म क्षेत्र की संज्ञा दी गई और इसी धर्म भूमि कुरूक्षेत्र से कृष्ण ने कर्मयोग का संदेश दिया।

कचरा उठान गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़
हरियाणा के श्रम मंत्री अनूप धानक ने शनिवार को हिसार जिला के कस्बा उकलाना में नगरपालिका द्वारा संचालित की जाने वाली डोर टू डोर कचरा उठान गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये गाडियां अब हिसार शहर की तर्ज पर उकलाना के घर-घर जाकर कूड़ा करकट इकठ्ठा करेंगी, इससे शहर भी स्वच्छ रहेगा। उन्होंने नगरपालिका के वार्ड नं 1 व 4 में नवनिर्मित सड़कों तथा वार्ड नं 9 में कृष्ण गौशाला चौंक के सौंदर्यकरण कार्यों तथा वार्ड नं 10 में सार्वजनिक शौचालयों का उदघाटन किया। इसके अलावा, उन्होंने उप-मुख्यमंत्री के सम्मान में गांव बिठमड़ा में 5 मई को

8 उकलाना में नगरपालिका द्वारा संचालित की जाने वाली डोर टू डोर कचरा उठान गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

आयोजित होने वाले सम्मान समारोह को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तथा उनकी ड्यूटियां लगाई। इस अवसर पर श्रम मंत्री अनूप धानक ने जन समस्याएं भी सुनी और उनके निराकरण की दिशा में मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उकलाना हलके में कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है और विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपए की राशि आवंटित की हैं।

3 लाख की ठगी में आरोपी गिरफ्तार

8 तफ्तीश में कार्रवाई करते हुए साइबर ठाणे ने ने विदेशी रिश्तेदार बनकर ठगी करने आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़
हरियाणा पुलिस ने बिहार से एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है जो विदेशी रिश्तेदार बनकर कुरुक्षेत्र निवासी पीड़ित के साथ 3 लाख रुपये की ठगी कर रहा था। पीड़ित को जैसे ही ठगी का एहसास हुआ, उसने अपनी शिकायत तुरंत साइबर पोर्टल पर दर्ज करवाई। उक्त केस में कार्रवाई करते हुए स्टेट नोडल साइबर पुलिस स्टेशन, पंचकूला ने केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। तफ्तीश में कार्रवाई करते हुए साइबर ठाणे ने ने विदेशी रिश्तेदार बनकर ठगी करने आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया।

विदेशी रिश्तेदार बनकर की थी कॉल, खाते से उड़ाए थे 3 लाख रूपए: पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मोडस ऑपरेंडी में रैंडम कालिंग कर ठगी करते है। इसमें पीड़ित को बातों में लेकर विश्वास दिलाते है कि वो उनके विदेश में रहने वाले रिश्तेदार है और किसी मुसीबत में है और उस मुसीबत से बचने के लिए वो रूपए की डिमांड करते है। पीड़ित डरते हुए पैसे उनके दिए हुए खाते में जमा करवा देता है। इस केस में भी ऐसा ही हुआ था। कुरुक्षेत्र निवासी हरदीप सिंह के पास कॉल आई जिसमें साइबर ठग ने खुद को उनका विदेश रहने वाला रिश्तेदार बताया और इमरजेंसी में फंसने के कारण पैसे की डिमांड करने लगा। साइबर ठग की बातों में आकर पीड़ित ने उसे 50,000 और ढाई लाख रुपये करके दो ट्रांसक्शन्स में कुल 3 लाख रूपए भेज दिए। लेकिन थोड़ी देर में जैसे ही ठगी का एहसास हुआ उसने तुरंत अपनी शिकायत साइबर क्राइम पोर्टल पर दी। स्टेट क्राइम ब्रांच चीफ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने केस को सुलझाने की जिम्मेदारी स्टेट नोडल साइबर पुलिस स्टेशन, पंचकूला को दी, जिसपर ये कार्रवाई की गई।

अलग अलग खाते में ट्रांसफर हुई थी रकम , 15 दिन से टीम लगी थी आरोपी के पीछे:
प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना पंचकूला प्रबंधक सूरज चावला और सहायक उपनिरीक्षक सतीश कुमार ने मामले में केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। केस पर काम करते हुए अनुसन्धान अधिकारी ने ठगे हुए रुपयों को ट्रेस किया गया और बैंक से संपर्क कर डिटेल मंगवाई गई। जहाँ से पता चला कि ठगी के 50 हजार रुपये एक बैंक के एक खाते में और ढाई लाख रुपये दूसरे बैंक के एक खाते में ट्रांसफर हुए है। इसके बाद भी ठग रुके नहीं और बचने के लिए शातिराना तरीके से दोनों बैंकों से रुपये निकाल कर तीसरे अन्य बैंक में ट्रांसफर कर दिए। बैंक में ट्रांसक्शन की डिटेल से तीसरे बैंक तक टीम पहुंची और जानकारी प्राप्त की तो दो आरोपियों अंकुश पासवान पुत्र प्रभु पासवान और मोहम्मद जुबैर पुत्र अब्बास मोहम्मद निवासी बिहार की जानकारी प्राप्त हुई। आरोपियों को पकडने के लिए स्टेट नोडल साइबर पुलिस थाने से टीम बनाई गई जिसमें सहायक उप निरीक्षक सतीश कुमार, कांस्टेबल अनुज, गौरव और अजय शामिल रहे।

देवेंद्र सिंह बबली ने सुनी आमजन की समस्याएं

टीम एक्शन इंडिया/चण्डीगढ़/टोहाना
हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली ने टोहाना में नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनकी समीक्षा कर संबंधित विभाग के अधिकारियों से जल्द निपटान करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने आज टोहाना के बिढ़ाईखेड़ा में आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही उपस्थित अधिकारियों को समाधान के लिए आदेश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल बनाकर कार्य करें तथा लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निपटान किया जाए।
उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी आमजन की बिजली, पानी व अन्य मूलभूत सुविधाओं की शिकायतों को संवेदनशील होकर प्राथमिकता के आधार पर हल करें। किसी भी शिकायत को दूर करने में अगर किसी भी प्रकार की समस्या है तो संबंधित व्यक्ति को बुलाकर सही तरीके से समझाएं ताकि वह व्यक्ति अपनी शिकायत का निवारण तय मापदंडो अनुसार करवा सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की मांग के अनुरूप नई परियोजनाओं के लिए भी प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इन कार्यों को भी जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को गुणवतापूर्वक निर्धारित समयावधि में पूरा करें, ताकि समय पर जनता को उनका लाभ मिल सके।

युवक को वाहन ने चपेट में लिया, मौत

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे युवक को चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया

8 राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी और उनके भाई को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया

है। गांव अच्छेज झज्जर निवासी महाबीर सिंह ने बताया कि वह राई औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरी में नौकरी करता है। उसका छोटा भाई सुनील कुमार (35) भी सोनीपत के गांव राठधना निवासी संजय के ट्रैक्टर पर चालक की नौकरी करता है। वह गांव लिवान में रहते था। उसका भाई सुनील कुमार शुक्रवार देर शाम पैदल ही मामा के घर गांव नांगल खुर्द जा रहो था। जब वह नेशनल हाईवे-44 को पार करने लगे तो तभी किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन सहित भाग गया। राहगीरों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी और उनके भाई को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। अस्पताल में उनके भाई को मृत घोषित कर दिया।

इनेलो की परिवर्तन यात्रा का हो रहा है स्वागत: ओपी चौटाला

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत
इनेलो सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने शनिवार को जीटी रोड स्थित रोड धर्मशाला में पार्टी कार्यकताओं की मीटिंग ली, जिससे जिला के चारो हलकों के सीनियर कार्यकताओं ने भाग लिया। मीटिंग में पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर ओमप्रकाश चौटाला ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के कुशासन से मुक्ति दिलवाने को लेकर विपक्षी दल एकजुट हो रहे है और जल्द ही इसके साकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगे। जिस तरह से पूर्व उपप्रधानमंत्री चौ. देवीलाल ने 1989 में विपक्षी दलों को एकजुट

किया था और अब उसी तरह से भाजपा से मुक्ति पाने को लेकर विपक्षी दल एकजुट हो रहे है। चौटाला ने कार्यकताओं से कहा कि इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला द्वारा प्रदेश में परिवर्तन यात्रा निकाली जा रही है, जोकि प्रदेश के हर हलके व विभिन्न गांवों में पहुंच रही है। यात्रा के माध्यम से अभय सिंह चौटाला सीधे लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हो रहे है और प्रदेश में इनेलो की सरकार बनने पर उन समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से आहवान किया कि जो हमारे पुराने कार्यकर्ता किसी वजह से इधर उधर चले गये है, उनको भी अब दोबारा से पार्टी के साथ जोड? का काम करे। बैठक के उपरांत ओमप्रकाश चौटाला सेक्टर 18 में इनेलो नेता राजिंद्र जागलान एडवोकेट के आवास पर पहुंचे और वहां पर राजेंद्र जागलान व उनके परिजनों सहित पार्टी कार्यकताओं ने बुके देकर स्वागत किया। इनेलो नेता राजेंद्र जागलान के आवास पर ही पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला व कार्यकताओं ने लंच किया।
इस अवसर पर पानीपत शहर प्रभारी डा. राजपाल, ग्रामीण हलका प्रधान कुलदीप राठी, वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह भालसी, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रणबीर देशवाल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू नांदल डाहर, वरिष्ठ नेता मनोज जोरासी, धर्मबीर पाढ़ा, रामकुमार नंबरदार, महिला जिला प्रधान प्रवीन मलिक, राजेश जट्टीपुर, डा. नवीन नैन भालसी,लखपत रोड व वैभव देशवाल एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालत में नहर में मिला युवक का शव, नहीं हो सकी शिनाख्त

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
सदर थाना क्षेत्र में पश्चिती यमुना लिंक नहर में गांव महलाना के पास युवक का शव मिला। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को निकालकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर शिनाख्त के लिए शवगृह में रखवाया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जांच अधिकारी तरूण ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव महलाना के पास पश्चिमी यमुना लिंक नहर में युवक का शव पड़ा हुआ है।

8 जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक के शव पर चोट के निशान नहीं मिले है। युवक के गले में माला व हाथ में को बेंड पहना हुआ है

सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंची। जहां गोताखोर की टीम को बुलाया गया। टीम ने शव को नहर से निकालकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक के शव पर चोट के निशान नहीं मिले है। युवक के गले में माला व हाथ में को बेंड पहना हुआ है। विसरा जांच के लिए भेजा गया है।

कार की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
सोनीपत-गोहाना सड़क मार्ग पर गांव बड़वासनी के पास तेज रफ्तार आर्टिका कार ने पैदल रहे दो लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे में एक की मौके पर मौत हो गई। जबकि दूसरे की निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है। रविवार को शवों का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।
करनाल के घरौंडा स्थित संजय नगर निवासी यशपाल सिंह (30) व उनके चचेरे भाई बलविंदर सिंह (40) सरिया बांधने का काम करते थे। दोनों भाई फिलहाल गांव

8 राहगीरों ने बताया कि कार चालक गाड़ी को तेजी से चलाते हुए आ रहा था। हादसे के बाद गाड़ी पलटने लगी

बड़वासनी के पास स्थित एक निमाणार्धीन फैक्टरी में सरिया बांधने का काम कर रहे थे। वह फैक्टरी में ही रह रहे थे। दोनों भाई शनिवार दोपहर को चाय पीने के लिए फैक्टरी से निकलकर पैदल ही दुकान पर जा रहे थे। जब वह गोहाना रोड पर बड़वासनी गांव से पहले फिलिंग स्टेशन के पास पहुंचे तो पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों उछल गई और सड़क पर गिरने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल बलविंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि राहगीरों ने घायल यशपाल को उपचार के लिए गोहाना रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने मृतक के दोस्त के बयान दर्ज कर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है। राहगीरों ने बताया कि कार चालक गाड़ी को तेजी से चलाते हुए आ रहा था। हादसे के बाद गाड़ी पलटने लगी। कई बार पलटे खाने के बाद खेत में जाकर सीधी हो गई। उसके बाद गाड़ी चालक भीड़ से निकालकर फरार हो गया।

चार साल की बच्ची से अश्लीलता करने के दोषी को उम्रकैद की सजा

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
मुरथल थाना क्षेत्र में चार साल की बच्ची से अश्लीलता करने के आरोपित को अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह की अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये जुमार्ना भी किया गया है। जुमार्ना राशि पीड़िता को देने के आदेश दिए गए है। महिला ने 26 फरवरी, 2022 को मुरथल थाना पुलिस को बताया था कि वह घर में पहली मंजिल पर रहती हैं। वहीं नीचे उनकी सास-ससुर उनके देवर संग रहते है। महिला ने बताया था कि उनकी चार साल

8 सास-ससुर ने झगड़ा कर उन्हें ही घर से निकाल दिया था। जिसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस को दी थी

की बेटी ने उन्हें बताया कि चाचा ने उनके साथ गलत हरकत की है। बेटी ने उसे मामले से अवगत कराया तो उन्होंने सास-ससुर को इसकी जानकारी दी थी। जिस पर उनके सास-ससुर ने झगड़ा कर उन्हें ही घर से निकाल दिया था। जिसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस को दी थी। पुलिस ने मामले में महिला के देवर के खिलाफ 6 पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय वीरेंद्र सांगवान व क्राइम उपायुक्त विजय सिंह सहित 13 कर्मचारी सेवानिवृत

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
पुलिस विभाग में तैनात उपायुक्त विरेंद्र व पुलिस उपायुक्त क्राइम विजय सिंह सहित राजपत्रित अधिकारी व दो अराजपत्रित अधिकारियों सहित 13 पुलिस कर्मचारी शनिवार को सेवानिवृत हो गए। पुलिस लाइन स्थित कम्युनिटी सेंटर में रिटायर्ड कर्मचारी व अधिकारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में विभाग में तैनात एसीपी विपिन काद्यान सहित अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे। कल्याण शाखा में तैनात निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग के एक राजपत्रित अधिकारी, दो अराजपत्रित अधिकारी व 13

8 रिटायर्ड कर्मचारी व अधिकारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया है

अन्य कर्मचारियों सहायक पुलिस उपयुक्त श्री वीरेन्द्र सिंह ने 29 वर्ष तक, निरीक्षक करनेल सिंह ने 34 वर्ष तक, निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह ने 38 वर्ष तक, उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने 33 वर्ष तक, उप निरीक्षक सतबीर सिंह ने 34 वर्ष तक, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने 34 वर्ष तक, उप निरीक्षक विजय सिंह ने 33 वर्ष तक, उप निरीक्षक श्री कृष्ण पाल ने 38 वर्ष तक, उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने 34 वर्ष तक, उप निरीक्षक जसवंत सिंह ने 34 वर्ष तक, उप निरीक्षक आनंद प्रकाश ने 33 वर्ष तक, उप निरीक्षक जय करण ने 33 वर्ष तक, उप निरीक्षक इन्द्र सेन ने 34 वर्ष तक, उप निरीक्षक धर्मबीर सिंह ने 34 वर्ष तक, मुख्य सिपाही सुमेर सिंह ने 15 वर्ष तक व कुक भगवान पुलिस विभाग को अपनी लम्बी सेवाएं देकर आज सेवानिवृत हुये है। इस अवसर पर सेवानिवृत होने वाले पुलिस अधिकारीयों व कर्मचारियों को पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सोनीपत वीरेन्द्र सांगवान व पुलिस उपायुक्त क्राइम सोनीपत विजय सिंह द्वारा सम्मान चिन्ह व उपहार देकर भी सम्मानित किया।

धामी सरकार प्रधानमंत्री के 'मन की बात' के 100वें संस्करण का करेगी भव्य आयोजन

8 -मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, राज्य में भी अधिकाधिक लोग सुन सकें प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
धामी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का 30 अप्रैल (रविवार) को 100वां संस्करण उत्तराखंड में व्यापक स्तर पर आयोजित करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने राज्य में भी अधिकाधिक लोग सुन सकें, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कल प्रसारित होने वाले कार्यक्रम का 100वां संस्करण कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इसलिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कल सभी विद्यालयों, ग्राम सभाओं, डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई आदि में इस कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था की जानी है।
ऐसे में राज्य में भी अधिकाधिक लोग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुन सकें, इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी विद्यालयों, ग्राम सभाओं, डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई में कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के शुरू किए गये 'मन की बात' का कल 100 वां संस्करण प्रातः 11 बजे प्रसारित होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी, उन लोगों का विशेष उल्लेख करते हैं जो कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे तमाम लोग देश के कोने-कोने में हैं और अपने कार्यों से अलग पहचान बनाते हुए समाज को दिशा देने का काम भी कर रहे हैं। ऐसे लोगों के बारे में जानकारी और उनके कार्यों के बारे में प्रधानमंत्री 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देते हैं। इसके अलावा छात्रों के के लिये भी यह जानकारी बहुत उपयोगी होती है और पूर्व में छात्र, शिक्षक, आमजन इस कार्यक्रम को सुनते रहे हैं।

डीएम ने ली जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक हुई।
बैठक में जिला गंगा संरक्षण से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओं को चर्चा के लिये सदस्य संयोजक, उप वन संरक्षक, जिला गंगा संरक्षण समिति यंक शेखर झा ने जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किया।
इसमें कस्सावान नाले में आपत्तिजनक सामग्री डाले जाने के सम्बन्ध में चर्चा हुई। इस पर जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने नगर निगम, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आदि से कस्सावान नाले की वस्तुस्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट को इस सम्बन्ध में कोआर्डिनेट करते हुये सप्ताह में दो दिन कस्सावान नाले निरीक्षण करने, अवैध दुकानें तुरन्त सील करने एवं उनके खिलाफ संगत धाराओं में कार्रवाई करते हुये जुर्माना लगाये जाने के निर्देश दिये।
बैठक में विभिन्न नालों पर जो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उन्हें सीसीआर के कण्ट्रोल रूम से जोड़े जाने के निर्देश दिए।

आगे बढ़ने के लिए चुनौती स्वीकारें: दुर्गाशंकर

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा कि हरेक व्यक्ति, समाज, व राष्ट्र को सफल होने के लिए चुनौती स्वीकार करना पड़ेगा। जिस तरह विद्यार्थी पढ़ाई की चुनौती स्वीकार करता है, तो उन्हें अनेक उपाधियां प्राप्त होती हैं। इसी तरह डॉक्टर्स, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी चुनौती स्वीकारते हैं, तभी वह अपने दायित्वों को पूरा कर पाते हैं। सफल हो पाते हैं।
वे देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में भारतीय परंपरा के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था विषय पर आयोजित व्याख्यान माला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से अब तक प्रशासन एवं सरकारें जितनी सफलताएं पाई हैं, उनमें चुनौतियां ही रही हैं। स्वच्छ भारत हो, राष्ट्र को सभ्य एवं विकसित करने के अभियान हो, सभी में अपनी-अपनी तरह की चुनौतियां थी, उन चुनौतियों को संकल्प शक्ति से सफलता में परिवर्तित किये।
मुख्य सचिव श्री मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीराम, लीला पुरुष श्रीकृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि भी चुनौतियों को स्वीकारते हुए सफल हुए। युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य ने अपने समय की कठिनाइयों को भेदते हुए युग निर्माण अभियान को गति दी और आज कई देशों में इसकी गुंज सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था से ही भारत विश्व को नेतृत्व दे पायेगा, जो इस दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह अमृत काल है और इस समय सभी को अपनी क्षमता, प्रतिभा समाज, राष्ट्र के विकास में अवश्य लगाना चाहिए इससे पूर्व देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने कहा कि भारत की भूमि में ऐसे अनेक संत हुए हैं, जिन्होंने देश और विदेश में भारतीय संस्कृति को पहुंचाया है। डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने प्राचीनकाल से लेकर अब तक भारतीय परंपरा में समाज में स्थापित प्रशासनिक व्यवस्था पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र को युग साहित्य, स्मृति चिह्न एवं गायत्री मंत्र उपवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

12 घंटे के भीतर दबोचा मोबाइल चोर

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कनखल थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोपित को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस ने आरोपित के पास से चोरी किया मोबाइल बरामद करते हुए उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।
पारस बन्सल निवासी मोहल्ला इमली बंसल हवेली निकट कुआं थाना कनखल ने मोबाइल फोन चोरी कर लिए जाने के संबंध में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के 12 घंटे के भीतर ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस

पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम देव आशीष निवासी होली चौक थाना कनखल जनपद हरिद्वार बताया।

गौरैया की घटती संख्या चिंता का विषय : डा. सेठी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गौरैया पक्षी के संरक्षण पर चिंतन के लिए गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल परिसर में गौरैया जागरूकता व्याख्यान हुआ।
भौतिकी विभाग एवं सूक्ष्मजीव जीव विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पर्यावरणीय जागरूकता प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. विनय सेठी बतौर विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।
डॉ. सेठी ने बताया कि गौरैया की घटती संख्या आज किसी राज्य अथवा देश विशेष तक सीमित नहीं है, अपितु आज यह एक अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है।

ट्रक एसोसिएशन ने की बड़े ट्रकों को शहर में प्रवेश दिए जाने की मांग

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
ट्रक एसोसिएशन चमोली ने शनिवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक चमोली को एक ज्ञापन सौंप कर यात्रा काल में शहर के अंदर बड़े ट्रकों के प्रवेश के लिए नियत किये गये समय पर पुनर्विचार किये जाने की मांग की है।
यात्रा काल में पुलिस की ओर से जो ट्रैफिक प्लान बनाया गया है, उसके अनुसार सुबह आठ बजे से सायं आठ बजे तक मालवाहक वाहनों पर शहर के अंदर प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसको लेकर शनिवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप झिक्वाण ने कहा कि मालवाहक वाहनों पर शहर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित किये जाने से

निर्माण कार्य और व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। दूर से आने वाले भारी वाहनों को पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण काफी समय लग जाता है। इस कारण वे सुबह आठ बजे तक शहर में नहींपहुंच पाते हैं।
निर्माण सामग्री के लिए क्रशर से रेत, बजरी, आदि का संचालन भी सुबह सात बजे से साय पांच बजे तक किया जाता है। ऐसे में सामग्री लेकर नगर क्षेत्र में पहुंचता और उन्हें पोखरी बैंड पर खड़ा कर दिया जा रहा है। ऐसे में उनके सामने आर्थिकी का संकट पैदा हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि व्यवस्था के आधार पर प्रति दो घंटे में मालवाहक वाहनों को नगर में प्रवेश करने की तय सीमा के साथ आवागमन की अनुमति दी जाए। ज्ञापन में सूर्यप्रकाश कुंवर, विक्रम सिंह, विपिन बत्र्वाल आदि के हस्ताक्षर हैं।

न्यूज फ्लैश

यमुनोत्री के फूलचट्टी में खाई में गिरा मजदूर , पुलिस ने किया रेस्क्यू

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
यमुनोत्री के फूलचट्टी, कृष्णा चक्की के पास एक व्यक्ति पैर फिसलने के कारण सड़क से नीचे गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने उसे रेस्क्यू किया।
सूचना पर वउनि ऋतुराज के नेतृत्व में पुलिस टीम हाइवे पेट्रोल कार से आवश्यक उपकरण के साथ घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से गहरी खाई में गिरकर घायल हुए व्यक्ति को बाहर निकाला।
घायल 35 वर्षीय व्यक्ति का नाम जयराम निवासी ग्राम सिदरी थाना मोरी उत्तरकाशी को तुरंत रेस्क्यू कर स्ट्रेचर से सड़क पर पहुंचाकर एम्बुलेंस के माध्यम से बड़कोट चिकित्सा केन्द्र भिजवाया गया। जयराम उपरोक्त डंडी-कंडी का काम करता है।

सैनिक कल्याण मंत्री पूर्व सैनिकों के साथ सुनेंगे प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
सैनिक कल्याण मंत्री न्यू कैंट रोड स्थित कैंप कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 100वें संस्करण को पूर्व सैनिकों के साथ सुनेंगे।
इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सभी से 'मन की बात' कार्यक्रम को अवश्य सुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्र, सामाजिक संगठन, अविस्मरणीय कार्यों तथा समाज के प्रेरक लोगों के बारे में लगातार चर्चा करते रहते हैं।
गौरतलब है कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम शुरू किया था। अब 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी का लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 100वां एपिसोड प्रसारित होगा।
'मन की बात' हर महीने के आखिरी रविवार को ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित होने वाला एक मासिक संबोधन है। इसके जरिए प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों से बातचीत करते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री निशंक की साहित्य यात्रा पर संगोष्ठी 1 मई से परमार्थ निकेतन में

8 -राजेश नैथानी ने बताया कि इस संगोष्ठी में 47 देशों से 500 से अधिक प्रतिनिधि करेंगे प्रतिभाग

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के साहित्य पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 1 मई से परमार्थ निकेतन में की जाएगी। राजेश नैथानी ने बताया कि इस संगोष्ठी में देश और विदेशों के 500 से अधिक विद्वान साहित्यकार, शिक्षाविद और हिन्दी प्रेमी जन प्रतिभाग करेंगे। साहित्य के इस महाकुंभ में डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के साहित्य पर मनन और मंथन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिमालय विरासत न्यास के विगत 16 फरवरी 2021 से रविवारीय पुस्तक वार्ता डॉ. निशंक का रचना संसार नाम से निर्बाध रूप से ऑनलाइन वेबिनार प्रत्येक रविवार की सायं 4:00 से 5:00 बजे किया जाता रहा है।
नैथानी ने बताया कि एक साहित्यकार के साहित्य पर सबसे लंबी चर्चा के लिए 50 श्रृंखलाएं और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की 75 श्रृंखलाएं पूर्ण होने पर हावर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज हो चुका है। इसके चलते अब 30 अप्रैल को अपनी 108 श्रृंखलाएं पूर्ण करने जा रहा है, जो हावर्ड यूनिवर्सिटी का वर्ल्ड रिकॉर्ड हो चुका है।30 अप्रैल को 108 श्रृंखलाएं पूर्ण के उपलक्ष्य में 1 और 2 मई को दो दिवसीय संगोष्ठी योग और आध्यात्मिक नगरी परमार्थ निकेतन में की जा रही है। इसमें विश्व के लगभग 47 देशों से 500 से अधिक साहित्यकार शिक्षाविद और हिंदी प्रेमी जन प्रति भाग कर रहे हैं। इसका उद्घाटन उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह करेंगे।
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रजनीश शुक्ला कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। नीदरलैंड से अश्विनी के. गांवकर लंदन से साहित्य कार डॉ1 रश्मि खुराना,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला मौर्य, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहेंगे। इस दौरान जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

हत्या के प्रयास का मुख्य आरोपी पुलिस ने दबोचा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
युवक को धारदार हथियारों से पिटाई कर गंभीर रूप से घायल करने के मुख्य आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पूर्व पुलिस इस घटना में शामिल एक और आरोपित को बीते रोज गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी पुलिस को घटना में शामिल करीब डेढ़ दर्जन आरोपितों की तलाश है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपित के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपित का चालान कर दिया है।

जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही महिला पहलवानों के समर्थन में किया प्रदर्शन

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही महिला पहलवानों के समर्थन में केंद्र सरकार को जगाने के लिए शनिवार को राजनैतिक दलों और सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने कर्णप्रयाग में थाली बजा कर प्रदर्शन किया।
इसके बाद उप जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन राष्ट्रपति को भेजा गया।
भाकपा माले के प्रदेश सचिव इंद्रेश मैखुरी, पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष गैरोला, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, अरविंद चौहान आदि का कहना है कि कॉमनवेल्थ से लेकर ओलंपिक

तक देश की झोली पदकों से भरने वाले पहलवान नयी दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, महिला पहलवानों का यौन शोषण करते हैं, इसलिए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।
उन्होंने कहा कि खेल संघों के पदाधिकारियों पर खिलाड़ियों के यौन शोषण के आरोप का यह इकलौता मामला नहीं है। बीते मार्च के महीने में उत्तराखंड में चमोली जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव और कोच नरेंद्र शाह का क्रिकेट में भविष्य बनाने की इच्छुक बच्ची से बेहद अश्लील बातें करता हुआ ऑडियो वायरल हुआ था। मुकदमा दर्ज हुआ और आरोपित को गिरफ्तार होते ही तुरंत जमानत मिल गयी।
बृजभूषण शरण सिंह को तत्काल भारतीय कुश्ती संघ और संसद से बर्खास्त करके गिरफ्तार किया जाये। इस प्रकरण की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाये। थाली बजाकर प्रदर्शन करने वालों में इन्द्रेश मैखुरी, सुभाष गैरोला, मुकेश नेगी, बीरेन्द्र सिंह मींगवाल, मदन मोहन चमोली, किशन सिंह बिष्ट, सुभाष रावत, राजेंद्र सिंह नेगी आदि शामिल थे।

बदरीनाथ हाइवे पर हवा में लटकीं 28 जिंदगियां, पुलिस ने रेस्क्यू कर वाहन से बाहर निकाला

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ हाइवे पर गोविंदघाट से आगे जेपी चट्टान के पास शनिवार को राजस्थान के यात्रियों को लेकर जा रही एक बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर सड़क के किनारे हवा में लटक गयी। इस बस में 28 यात्री सवार थे। गनीमत रही पुलिस और राहत-बचाव टीम ने सभी सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।इस घटना की सूचना मिलने पर गोविंदघाट थाना पुलिस शीघ्र ही राहत और बचाव टीम के साथ उपकरणों को लेकर मौके पर पहुंची। संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई कर सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकाल लिया।
इसके बाद क्रेन के माध्यम से वाहन को खींच कर सुरक्षित सड़क पर ले आए।

यूथ-20 : डीआइजी व डीएम ने किया निरीक्षण, 4 मई से ऋषिकेश में है बैठक

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 4 मई से होने वाली यूथ-20 की बैठक के लिए तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इसके निरीक्षण के लिए शुक्रवार की देर रात को देहरादून की जिलाधिकारी के साथ डीआइजी सहित कई अधिकारी ऋषिकेश पहुंचे।
इन अधिकारियों ने बैठक में प्रतिभाग करने वाले मेहमानों को ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट और परमार्थ निकेतन की आरती दिखाए जाने के लिए घाटों का सुरक्षा की दृष्टि से मौका मुआयना कर अपनी तैयारियां जोर शोर से प्रारंभ कर दी हैं। एम्स के जनसंपर्क अधिकारी हरीश थपलियाल ने बताया कि एम्स ऋषिकेश को इस आयोजन

का नोडल बनाया गया है। इस दौरान चार मई की सुबह एम्स के सभागार में देश-दुनिया से आने वाले लगभग ढाई सौ से अधिक डेलीगेट्स की बैठक होगी, जिसमें रेलीवेंस ऑफ स्प्रिचुअल हेल्थ यूथ के अवसर पर छात्रों के बीच डिबेट आधुनिक दवाइयों और प्राचीन दवाइयों पर चर्चा भी की जाएगी।
उन्होंने बताया कि जी-20 के तहत युवा कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से यूथ-20 थीम पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में सम्मेलन का आयोजन होना है। हेल्थ वेलनेस एंड स्पोर्ट्स एजेंडा फार यूथ मुख्य विषय पर यह सम्मेलन चार और पांच मई को ऋषिकेश में प्रस्तावित है।उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में देश और दुनिया के करीब 250 से अधिक डेलिगेट्स शामिल हो रहे हैं। इनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वक्ता भी शामिल हैं। विभिन्न देशों से यहां आने वाले मेहमान यहां चार मई की शाम गंगा आरती में भी शामिल होंगे। व्यवस्था के तहत मेहमानों को ऋषिकेश और आसपास क्षेत्र में ठहराया जाएगा। सुविधा के अनुसार ही गंगा आरती के अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में जूना अखाड़ा के आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरि, परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती, प्रोफेसर केके तलवार, प्रोफेसर बीएन गंगाधर, एम्स की प्रोफेसर डा.मीनू सिंह ,स्वामी दयाधीया पाण्या, मुख्य वक्ता के रूप में रहेंगे।
डेलीगेट्स के लिए ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन और त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसकी तैयारी को लेकर जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, डीआइजी दलीप सिंह कुंवर, अपर निदेशक शहरी विकास नवनीत पांडे सहित अन्य अधिकारियों ने आरती स्थल का निरीक्षण किया।
जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, डीआइजी और एसएसपी देहरादून दलीप सिंह कुंवर सहित अन्य अधिकारियों के साथ परमार्थ निकेतन पहुंचीं।

G20
उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या	19-DRM-MB-22-23 dt. 26.04.2023	21-DRM-MB-22-23 dt. 26.04.2023	31-DRM-MB-22-23 dt. 26.04.2023
कार्य का नाम	Civil work in c/w provision of Automatic block signalling in GZB-HPU-MB(11 Auto hut building, 5 LC gate building, 11 Augmentation of existing S and T building at station) Section under ADEN/HPU.	Civil work in c/w provision of Automatic block signalling in GZB-HPU-MB section (11 Auto hut building, 4 LC gate building, 10 Augmentation of existing S and T building at station) under ADEN/GJL.	Civil work in c/w provision of store cum office at HPU station, Type II quarter at Mehrauli, Lakhan, Kuchesar road, Kankather, Hakeempur, Mahesbara, Kailsa and Lodhipur one at each station under DEN/IV/MB.
निविदा प्रकार	Works	Works	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	23.05.2023	23.05.2023	23.05.2023
टेन्डर क्लोसिंग समय	18:00 hrs	18:00 hrs	18:00 hrs
अनुमानित लागत	2,45,99,088.39	2,47,76,806.97	2,48,63,825.87
धरोहर राशि	2,73,000.00	2,73,900.00	2,74,300.00.00
टेन्डर फार्म की लागत	शून्य	शून्य	शून्य
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	08 माह	08 माह
बिडिंग आरम्भ तिथि	09.05.2023	09.05.2023	09.05.2023

टेन्डर नं. DEN-IV-19/21/31-DRM-MB-22-23 दिनांक. 28.04.2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
1295/23

संपादकीय

भविष्य का निर्माण वर्तमान के कठिन परिश्रम का प्रतिफल

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि "आशाओं पर आकाश टिका हुआ है" और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरूआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा।

पहलवानों का धरना राजनीतिक मंच बनता जा रहा है ?

अशोक भाटिया

"जंतर-मंतर पर जो पहलवान बैठे हैं, उनसे मिलने रअक यानी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डीजी शिवकुमार तो कोलकाता से मिलने दूसरे ही दिन आ गए थे। वह पहलवानों से मिले। उन्होंने कहा भी कि पहलवानों ने जांच मांगी थी और उनकी भावनाओं का ख्याल रखते हुए ही दो-दो कमेटियां बनीं। उसमें योगेश्वर दत्त, मैरीकॉम से लेकर आपकी प्रतिनिधि बबीता फोगाट तक शामिल थीं। ऐसे 12 लोग थे कमेटी में। अब अगर उन पर ही पहलवानों को भरोसा नहीं, तो फिर कैसे जांच करवाई जाए? जहां तक बबीता फोगाट के जबरन रिपोर्ट पर साइन करने की बात है या उनको अंधेरे में रखकर हस्ताक्षर करवाने की बात है तो एक बात जान लीजिए। बबीता 56-60 किलोवर्ग की विश्व चैंपियन पहलवान हैं। उनसे किसने और कैसे जबर्दस्ती कर ली?"

जंतर-मंतर पर एक बार फिर पहलवानों का धरना-प्रदर्शन जारी है। विनेश फोगाट समेत 7 पहलवानों ने अपनी याचिका में शीर्ष अदालत से WFI के प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ एफआईआर का आदेश देने की मांग की थी । पहलवानों का कहना है कि उनसे जो वादे हुए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। शुक्रवार को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पहलवानों का धरना जारी है। जो पहलवान विनेश फोगाट के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने तो साफ कह दिया है कि उनका व्यवस्था पर से विश्वास उठ गया है। इन्होंने आज से तीन महीने पहले भी धरना दिया था और खेल-मंत्रालय के साथ ही क्डअ को भी एक शिकायत की थी। इनकी ही शिकायत पर एक जांच समिति तो आइओए ने बनाई थी और दूसरी समिति खेल-मंत्रालय ने बना दी थी। इन समितियों ने अभी तो अपनी रिपोर्ट ही दी है। पहलवानों को अभी एकाध दो हफ्ते तो धैर्य दिखाना ही चाहिए था। उनको प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि दोनों ही समितियों ने अपने निष्कर्ष सरकार को दे दिए हैं। अब ये तो सरकार पर है न कि वह जब उचित समझेगी तो उनको सार्वजनिक करेगी। इस बीच कुश्ती संघ ने तो अपनी गतिविधियां दुबारा प्रारंभ कर दी हैं। अभी हाल ही में गोंडा में अंडर 17 की नेशनल चैंपियनशिप का भी आयोजन हुआ है। यह बहुत ही बढ़िया टूनार्मेंट रहा, काफी शानदार पार्टिसिपेशन रहा। तो, कुश्ती संघ तो अपने हिसाब से चल रहा है। पहलवानों को वापस धरने पर बैठने से पहले आइओए और ओवरसाइट कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार तो करना ही चाहिए था न। इस कमेटी में मैरीकॉम, योगेश्वर दत्त जैसे वर्ल्ड चैंपियन हैं। डोला बनर्जी, तृप्ति मरुगंडे जैसे खिलाड़ी, दो बड़े वकील, राजगोपाल जैसे सीईओ, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पूर्व एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर राधिका श्रीमान भी उसी कमिटी में थे। अब ऐसी जांच कमेटी को भला आप कैसे गलत कह सकते हैं। खुद बबीता फोगाट भी उस कमिटी की एक सदस्य थीं, जो पहली बार धरना-प्रदर्शन का हिस्सा रही थीं। उस कमेटी ने बहुत कायदे से, लगभग 8 सप्ताह तक सभी संबंधित पार्टियों को बुलाकर, ऑन कैमरा उनके बयान लिए। बाकायदा एफिडेविट देकर बयान लिए गए हैं। इस जांच समिति को इतने हल्के में लेने की जरूरत नहीं है। अब आप योगेश्वर दत्त या मैरीकॉम को इतने हल्के में लेंगे क्या? जो पहलवान और खिलाड़ी धरना पर बैठे हैं, उनको कैसे पता कि कमेटी ने कुछ नहीं किया? समिति ने सबको सुना, आपने जो साक्ष्य दिए, वो ऑन रिकॉर्ड बाकायदा वीडियोग्राफी करवा कर रिकॉर्ड किए गए। उन्होंने सवाल पूछे, आपने जवाब दिए, आपने बाकायदा शपथ-पत्र दिया है, तो फिर आप कैसे कह सकते हैं कि समिति ने कुछ नहीं किया।कम से कम समिति की रिपोर्ट तो आने दीजिए। आप अभी से कैसे और क्यों मान बैठे हैं कि रिपोर्ट में बृजभूषण सिंह को या फेडरेशन को क्लीन-चिट मिल गई है? यह कहना गलत होगा कि सरकार ने पहलवानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में हैं। जंतर-मंतर पर जो पहलवान बैठे हैं, उनसे मिलने रअकयानी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डीजी शिवकुमार तो कोलकाता से मिलने दूसरे ही दिन आ गए थे। वह पहलवानों से मिले। उन्होंने कहा भी कि पहलवानों ने जांच मांगी थी और उनकी भावनाओं का ख्याल रखते हुए ही दो-दो कमेटियां बनीं। उसमें योगेश्वर दत्त, मैरीकॉम से लेकर आपकी प्रतिनिधि बबीता फोगाट तक शामिल थीं। ऐसे 12 लोग थे कमेटी में। अब अगर उन पर ही पहलवानों को भरोसा नहीं, तो फिर कैसे जांच करवाई जाए? जहां तक बबीता फोगाट के जबरन रिपोर्ट पर साइन करने की बात है या उनको अंधेरे में रखकर हस्ताक्षर करवाने की बात है तो एक बात जान लीजिए। बबीता 56-60 किलोवर्ग की विश्व चैंपियन पहलवान हैं। उनसे किसने और कैसे जबर्दस्ती कर ली? अगर बिना पढ़े उन्होंने डॉक्यूमेंट साइन किए तो यह तो बहुत ही हास्यास्पद है। क्या बबीता बिना देखे किसी भी कागज पर साइन कर देती हैं? वह तो वैसे भी जांच कमेटी की सदस्य थीं। पूरी की पूरी जांच कैमरे में हुई है। जो जानकारी छन कर आ रही है, उसमें 90 फीसदी प्रश्न तो बबीता ने खुद ही पूछे हैं। सवाल यह है कि आप खुद की कमेटी को ही कैसे नकार सकते हैं? सरकार को 5 अप्रैल को रिपोर्ट मिली है। सरकार क्या उस रिपोर्ट का अध्ययन करेगी, लीगल ओपिनियन लेगी, चार लोगों को पढ़वाएगी-लिखवाएगी कि नहीं? फिर, इस जल्दबाजी की तुक क्या है? जो रिपोर्ट चार हफ्ते में देनी थी, वह तीन महीने में दी गई न। तो, जब पहलवानों ने तीन महीने तक इंतजार किया तो दो हफ्ते और कर लेते। एक और बात जो छन कर आई है, वह ये है कि सबसे बड़ा असहयोग तो इन खिलाड़ियों की तरफ से था, जो आज धरने पर बैठे हैं। खुद बबीता फोगाट 10 बार बुलाने पर एक बार हाजिर हुईं। तब उनके साइन हुए हैं। वह तो अपना फोन ही बंद कर बैठ गई थीं। ऐसा राधिका श्रीमान और योगेश्वर दत्त ने बताया है। तो ये जो विश्वस्तर के खिलाड़ी हैं, ये सब झूठे हैं? जहां तक FIR की बात है, तो उसका एक रडढ यानी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसिजर होता है। अगर ताजा मामला है, जैसे कल रात की घटना है और पीड़िता अगर थाने पहुंचती है, तो तुरंत एविडेंस इकट्ठा करने के लिए आरोपित को तुरंत हिरासत में लेती है, ताकि फॉरेंसिक एविडेंस मिल सकें। यहां तो मामला 10 साल पुराना है, 5 साल पुराना है, तो पुलिस ने इनकी शिकायत ले ली है और जांच शुरू कर दी है। उस जांच में सरकार से दिल्ली पुलिस ने दोनों कमेटी की रिपोर्ट भी मांगी है। अब आरोप लगाने वाले पहलवानों को पुलिस बुलाएगी और साक्ष्य में अगर दम हुआ तो एफआईआर दर्ज हो जाएगी। ये कोई मसला ही नहीं है। पिछली बार जब पहलवान धरने पर बैठे थे तो वृंदा करात जैसी नेत्री को भी इन्होंने मंच से उतार दिया था। यहां तक कि बॉक्सर विजेंद्र सिंह को भी मंच नहीं दिया था। अब इस बार ये कह रहे हैं कि जो भी उनका समर्थन करने आएगा, उसका स्वागत है। तो, इसका तो मतलब यही है कि ये सीधा-सादा पॉलिटिकल मंच बन गया है। पिछली बार आपने किसी को मंच पर झांकने नहीं दिया, इस बार आप न्योता देकर बुला रहे हैं। जबकि पहलवानों के लंबे संघर्ष के बाद पुलिस ने 28 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि मामले में त्रक्रदर्ज की जाएगी। राजनीतिज्ञों को न्योता मिलते ही पहलवानों के धरने को समर्थन देने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार 29 अप्रैल सुबह जंतर मंतर पहुंची। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी उनके साथ रहे। जंतर मंतर पर पहलवानों के धरने का शनिवार को सातवां दिन है। आज शाम तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल भी धरना स्थल पर आने वाले है । शुक्रवार को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पहलवानों का धरना जारी है।इसके अलावा आंदोलनकारी पहलवानों को और भी कई राजनीतिक दलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों, बॉलीवुड चेहरों और खापों का समर्थन मिला रहा है । 26 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक, कांग्रेस के उदित राज, भूपेंद्र हुड्डा और उढक(ट) लीडर वृंदा करात समेत कई राजनीतिक दलों के नेता पहलवानों के धरने पर पहुंचे थे। पहलवानों ने 28 अपैल को ट्विटर कैंपेन चलाया जिसमें कई बड़े चेहरों ने उनका साथ दिया।

कविता

तेरे सामने मेंरा वजूद बेहतर
भी नहीं ,
तू खुदा नहीं है,पर कमतर नहीं ।

की बंदगी खुदा की,दिखाई तू देती है,
गुमान है यकिनन,तू मुझसे खफा नहीं।

यारों ने आईना दिखाया मुझे बार बार
जानता हूँ,वो फकत आईना तेरा नहीं।

हालात मेरे जैसे है,बदलेंगे भी नहीं,
मेरी इबादत ने बताया तू बेवफा नहीं।

दिखा दो खुलेआम जमाने को रूबरू
महजबीन हो मेरी,कही अलहदा नहीं

जाहिर है,तुम्हारे भी नाजो नखरे है
खामोश हो,समझूँ एक है जुदा नहीं।

लिख गया कोई सूफी,इश्किया किस्से,
शर्तिया ये किस्सा तेरा और मेरा नहीं।

संजीव ठाकुर

कुत्ता क्लिकिंग बहुविध उपयोगिता

रामविलास

आज के भाग-दौड़ भरे जीवन में कुत्ते हर एक व्यक्ति के जीवन में नए उल्लास और उमंग भर रहे हैं। तमाम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से लेकर नितांत निजी क्षणों तक कुत्तों का महत्व जगजाहिर है। कुत्तों के लिए विशेष प्रकार के कार्यालय से लेकर शौचालय तक बने हुए हैं। आजकल शेखी बघारने का संकट विकराल रूप लेता जा रहा है। साथ ही लोग बहुत जटिल और भारी स्टेटस शो बाजी भी एक समस्या है। ऐसे में कुत्ते किसी देवदूत से कम नहीं है। जीवन में कुत्तापना ही सर्वाधिक सुखदाई दिखाई पड़ रहा है। सुबह-सुबह व्यायाम करने की नाटक बाजी में कुत्तों की सवारी करना सबसे महत्वपूर्ण काम हो गया है। आजकल हर एक कुत्ते ने एक शानदार मालिक पाल रखा है। हर एक कुत्ता अपने-अपने मालिक की सवारी करता हुआ नजर आता है। सुबह-सुबह कसरत की नाटक बाजी में कुत्ता एक महत्वपूर्ण सवारी के रूप में काम आता है। इसकी सवारी एक वरदान से कम नहीं है। इसके स्वास्थ्यवर्धक लाभ अनगिनत है। आज के सामाजिक संकट के दौर में तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कुत्ते ही एकमात्र ऐसे उपाय बचे हुए हैं, जिनकी कृपा से सोशल स्टेटस आसमान पर छलांग लगाता दिखाई देता है।

आज के वैज्ञानिक शोध भी कुत्ते की सवारी के तमाम लाभों को सिद्ध कर रहे हैं। कुत्ते की सवारी एक बेहतरीन व्यायाम तो है ही, साथ ही इससे शरीर के समूचे अंग-अवयवों की कसरत हो जाती है। जब अच्छा-खासा मालिक अपने निजी कुत्ते की रस्सी थामे सड़क किनारे चलता है, तो कुत्ता उसे एक निश्चित दिशा में खींचता चला जाता है। कुत्ते की ऐसी चलन बाजी एरोबिक व्यायाम है। इससे हृदय, मस्तिष्क एवं रक्त कोशिकाओं के लिए बहुत लाभ मिला है। ठीक साइकिलिंग की तरह ही महत्वपूर्ण है कुत्ता क्लिकिंग! इससे हमारे पैरों, जांघों की मांसपेशियों के साथ पेट, बाजू एवं बुद्धि की भी खासी कसरत हो जाती है। एक बड़ा रुतबा भी कायम होता है। जब कोई अन्य कुत्ता सामने दिखाई देता है तो घरेलू निजी कुत्ता एकदम सरपट दौड़ लगाता है, इससे बंधे मालिक को भी दौड़ना पड़ता है। ऐसा करने से हड्डियां भी मजबूत होती है। नियमित कुत्ता क्लिकिंग से पैरों की मांसपेशियों के साथ पुट्ठों एवं घुटनों के जोड़ मजबूत होते हैं। समाज में मान मयार्दा बढ़ती है। यह पूरे घर परिवार के व्यायाम जैसा होता है। इससे पूरे परिवार के स्टेमिना व रोग प्रतिरोधक क्षमता में आशातीत वृद्धि होती है। सोशल स्टेटस वृद्धि से शरीर ऊर्जा के स्तर में वृद्धि होती है, जो दिन भर के लिए बैट्री चार्ज करने जैसा होता है । कुत्ता क्लिकिंग बुढ़ापे और घुटनों के दर्द में भी उपयोगी होती है। जहां खड़े होने पर जोड़ों पर भार पड़ता है, कुत्ते के साथ रहने पर यह दवाब भी नहीं पड़ता। इस तरह कुत्ता क्लिकिंग अपनी बहुविध उपयोगिता के आधार पर तन-मन के सामाजिक स्वास्थ्य के सच्चे हितेषी के रूप में अपनाए जाने योग्य वाहन है। यह हर्ष का विषय है जो कुत्ते पहले गरीब की सवारी और गरीबी का द्योतक समझे जाते थे, वे आज अमीर लोग और अमीर जादे भी शान से उपयोग में लेने लगे हैं।

विचार

समलैंगिक शादी या सांस्कृतिक बर्बादी

विनोद बंसल

भारतीय ज्ञान विज्ञान, परंपराएं, रीति रिवाज व सांस्कृतिक मान्यताएं आज विश्व पटल पर स्वीकार की जाने लगी हैं। भोगवादी जीवन से तंग लोग अपनी पाश्चात्य संस्कृति को तिलांजलि देकर जहां वे एक ओर भारतीय संस्कारों व मान्यताओं को अपना रहे हैं वहीं, कुछ मुट्ठी भर लोग भारतीय जीवन मूल्यों का मखौल उड़ाते हुए अपने अमर्यादित, अप्राकृतिक व असांस्कृतिक कुकृत्यों को वैधानिक मान्यता दिलाने पर तुले हैं। दुर्भाग्य से ऐसे लोगों के साथ हमारे यहां के कुछ कथित बुद्धिजीवी, वकील तथा न्यायाधीश भी उनके सहयोगी की भूमिका में दिख रहे हैं। हाँ! हम बात कर रहे हैं दो समलैंगिकों के अप्राकृतिक व्यवहार को विवाह की मान्यता की। संस्कार भारतीय जीवन मूल्यों तथा सामाजिक व्यवस्था की धुरी होते हैं। यूं तो भारतीय परंपरा में गभार्धान पुंसवन, सीमंतोनयन, जातकर्म, नाम करण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ा कर्म, कर्णवेध, उपनयन, वेदारंभ, समावर्तन, विवाह, वानप्रस्थ, संन्यास तथा अंत्येष्टि संस्कार सहित सोलह संस्कारों का वर्णन मिलता है। किन्तु इनमें मात्र एक ही संस्कार ऐसा है जिसमें दो लोग मिलकर सामूहिक रूप से एक साथ संस्कारवान होते हैं। इसे विवाह संस्कार कहते हैं जिसके लिए स्त्री व पुरुष दोनों का होना अनिवार्य है। इस संस्कार का मुख्य प्रयोजन योग्य संतानोत्पत्ति कर समाज व राष्ट्र को उन्नत करना है। यूं तो विवाह भी आठ प्रकार के बताए हैं। ब्राह्म, दैव, आर्ष, प्राजापत्य, असुर, गंधर्व, राक्षस व पैशाच नामक विवाहों में से ब्राह्म विवाह को ही सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। विवाहों की जो निकृष्टतम पद्धति भी है उसमें भी स्त्री व पुरुष दोनों का होना अनिवार्य है। यदि हिंदू मान्यताओं को छोड़ भी दें तो पाएंगे कि दुनियां के अन्य किसी भी मत, पंथ, संप्रदाय में भी सर्वत्र स्त्री के साथ पुरुष या पुरुष के साथ स्त्री के विवाह को ही मान्यता दी गई है। आदिकाल से ही विवाह को हमारे यहाँ एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। भारतीय समाज में चार आश्रमों यथा ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व सन्यास आश्रम में से गृहस्थ आश्रम का विशेष महत्व है। इसमें प्रवेश ही विवाह संस्कार के माध्यम से होता है। यह आश्रम शेष सभी आश्रमों की धुरी भी है। यदि यही कलंकित या दूषित हो जाएगा तो अन्य आश्रमों का क्या होगा। भारतीय मान्यताओं के अनुसार विवाह बंधन में बंधने वाले युगल एक दूसरे के प्रति समर्पित भाव से दायित्व का भाव लेकर एक होने का संकल्प लेते हैं ना कि अपने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। वे अपनी संतान माता-पिता, रिश्तेदारों व समाज के लिए दायित्व बोध से काम करते हैं। विवाहों को कानूनी मान्यता हेतु हमारे यहाँ अलग अलग रिलीजन के हिसाब से अलग अलग कानून बनाए गए हैं। ये सभी संविधान के अनुच्छेद 246 के अंतर्गत संसद को प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत बनाए गए है। जो उन कानूनों के अंतर्गत नहीं आता उनके लिए विशेष विवाह अधिनियम 1954 है। इसके अंतर्गत दो विविध मतों के मतावलंबी अपने अपने मत का पालन करते हुए बिना मतांतरित हुए भी विवाह कर सकते हैं। किन्तु किसी भी कानून में दो समलैंगिक व्यक्तियों को पति-पत्नी के रूप मान्यता देने का कोई विधान नहीं है। संसार का कोई भी धर्म समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देता। अब यदि दो समलैंगिकों अर्थात महिला का महिला के साथ या किसी पुरुष का पुरुष के साथ सह-जीवन को विवाह की स्वीकृति दी जाती है तो उसके क्या परिणाम होंगे उन पर विचार करते हैं। यदि समलैंगिक विवाह को मान्यता दी जाती है तो संतानोत्पत्ति कैसे होगी? इन्हें बच्चा कोई गोद देगा ही क्यों? क्या कानून ऐसे जोड़ों को दत्तक गृहण का अधिकार देगा? बच्चे यदि गोद भी ले लिए जाएं तो क्या उन समलैंगिकों के आचरण व व्यवहार के दुसप्रभाव से बच्चा अछूता रह सकता है? दत्तक बच्चों को मातृत्व और पितृत्व का सुख कैसे संभव है? बच्चा जब विद्यालय जाएगा तो उसके माँ व बाप का नाम क्या होगा? संतानोत्पत्ति होगी ही नहीं तो गोद लिए बच्चे के प्रति उस कथित दम्पत्ति का व्यवहार और बच्चे पर उसका दुसप्रभाव दोनों ही अकल्पनीय होंगे। बच्चों व बड़ों में पारिवारिक संस्कार कहां से आयेंगे जो कि जीवन की शांति, व्यवस्था व नैतिक मूल्यों पर आधारित समाज के लिए बहुत आवश्यक हैं?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

क्या मजदूरों को मिलने वाला अधिकार मिला

संजय कुमार सुमन

हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मई महीने की पहली तारीख को मनाया जाता है। एक मई का दिन कामगारों के लिए खास दिन है।इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है।यह दिन हर साल ज्यादातर देशों में एक मई को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में मजदूरों के उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।क्योंकि इसी दिन उनको सबसे बड़ा अधिकार मिला।उनके लिए काम का घंटा तय हुआ।इससे पहले कामगारों का काफी शोषण होता था।कामगारों को यूं ही यह अधिकार नहीं मिल गया।जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है।मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। दुनिया में मजदूर दिवस मनाने का चलन करीब 132 साल पुराना है। मजदूरों ने काम के घंटे तय करने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया।इसमें 11,000 फैक्टरियों के कम से कम तीन लाख अस्सी हजार मजदूर शामिल हुए।इस दौरान यह दुनिया के विभिन्न देशों में फैलने लगा। एक मई 1886 को पूरे अमेरिका के लाखों मजदूरों ने एक साथ हड़ताल शुरू की। इसकी शुरूआत 1886 में शिकागो में उस समय शुरू हुई थी, जब मजदूर मांग कर रहे थे कि काम की अवधि आठ घंटे हो और सप्ताह में एक दिन की छुट्टी हो।हड़ताल के दौरान एक व्यक्ति ने बम फोड़ दिया और प्रदर्शनस्थल पर अफरातफरी मच गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मजदूरों पर गोलियां चलाई। गोलीबारी में कुछ मजदूरों की मौत हो गई, साथ ही कुछ पुलिस अफसर भी मारे गए।इस मामले में एक ट्रायल चला, जांच के अंत में चार अराजकतावादियों को सरेआम फांसी दे दी गई। हेमार्केट घटना, दुनिया भर के लोगों को क्रोधित करने का कारण बनी। बाद के वर्षों में, हेमार्केट शहीदों की स्मृति को विभिन्न मई दिवस नौकरी संबंधी कार्रवाई और प्रदर्शनों के साथ याद किया गया। इसके बाद 1889 में पेरिस में अंतरराष्ट्रीय महासभा की द्वितीय बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया कि 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाए, तब से ही दुनिया के 80 देशों में मई दिवस को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाया जाने लगा।

लोगों की जीवनशैली में अभिन्न हो चुका मोबाइल

विजय गर्ग

लेकिन सुविधा साबित हो रहा कोई सामान अगर हमारी सेहत के लिए बहुस्तरीय चुनौती खड़ी कर रहा हो तो एक बार ठहर कर उसके उपयोग को लेकर सजग होने की जरूरत है। हाल ही में मोबाइल और इसके उपयोग को लेकर हुए एक अध्ययन में जिस तरह की चिंताएं जाहिर की गई हैं, वे बताती हैं कि हर वक्त साथ रहने वाला मोबाइल मामूली लापरवाहियों की वजह से लोगों की सेहत के लिए चुपके-चुपके कई तरह के जोखिम पैदा कर रहा है, कई बीमारियों को न्योता दे रहा है। अध्ययन में यह पाया गया कि जो मोबाइल हमारे हाथ में एक तरह से अभिन्न होता गया है, वह दिखने में तो साफ-सुथरा लगता है, लेकिन वास्तव में शौचालय की सीट से भी गंदा होता है। कोई काम करते या खाते समय भी फोन का उपयोग करने के साथ-साथ उसे हर तरह की सतह पर भी रख दिया जाता है, जिससे उस पर रोगाणु जमा होते हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे हाथ में आने के बाद उसका असर किन-किन शक्लों में हमारे शरीर में जाता होगा। यों मोबाइल फोन के उपयोग में अतिरेक के संदर्भ में अक्सर कई तरह की चिंता जताई जाती रही है। इसके बावजूद इसे लेकर जागरूकता का स्तर अभी पर्याप्त नहीं है और लोगों के बीच इसके जोखिम के प्रति लापरवाही आम दिखती है। जबकि जीवाणु और विषाणुओं की दुनिया कुछ ऐसी है कि पता भी नहीं चलता है और उसके संक्रमण से शरीर में कोई बड़ा नुकसान हो जाता है।

मोबाइल फोन के सूक्ष्मजीवी उपनिवेशन पर किए गए कई अध्ययनों में बताया गया है कि वे कई अलग-अलग प्रकार के संभावित रोगजनक जीवाणु से दूषित हो सकते हैं। ये जीवाणु त्वचा संक्रमण, डायरिया, तपेदिक से लेकर मूत्र पथ में संक्रमण तक के वाहक बन सकते हैं। नए शोधों के ऐसे संकेत ज्यादा चिंता का कारण होने चाहिए कि फोन पर कई रोगजनक जीवाणु प्रतिरोधी होते हैं। यानी इनकी वजह से हुई बीमारी का इलाज पारंपरिक दवाओं के जरिए नहीं किया जा सकता और अगर ये त्वचा, आंत या फिर श्वास नली में संक्रमण का कारण बन जाए तो किसी की जान भी जा सकती है। जाहिर है, शहरों-महानगरों से लेकर गांवों तक में लोगों की जीवनशैली में अभिन्न हो चुका है।

न्यूज फ्लैश

सेंट जोसेफ मैनेजमेंट द्वारा कैरियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धक हेतु सेंट जोसेफ मैनेजमेंट द्वारा कैरियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया कजिसमें कनाडा से आई कैरियर काउन्सलर मिस शबानी ने विद्यार्थियों को कनाडा में किस प्रकार उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ साथ वीजा व ढफसे संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की कतथा विद्यार्थियों द्वारा पूछी गई कई बातों का खुलासा किया कसेंट जोसेफ मैनेजमेंट समय समय पर ऐसे कई सेशन आयोजित करती रहती है ताकि विधार्थी इन सब से परिचित होकर अपने भविष्य को और निखार सके कयह सेशन वाकई बहुत लाभकारी व बेहद महत्वपूर्ण था क्योंकि इसमें विद्यार्थियों की कई शंकाओं को दूर करने के साथ साथ उन्हें उच्च शिक्षा हेतु कनाडा कैसे जा सकते हैं की जानकारी भी दी गई क

बीआर अम्बेडकर मेधावी संशोधित छात्रवृति योजना के लाभार्थियों के जिला प्रशासन का अहम फैसला

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा/नारनौल । उपायुक्त मोनिका गुप्ता आईएएस के दिशा निदेर्शानुसार जिला कल्याण विभाग की ओर से एक मई को लघु सचिवालय में सरल केंद्र के नजदीक स्थित अंत्योदय केंद्र में डा. बीआर अम्बेडकर मेधावी संशोधित छात्रवृति योजना के तहत किए गए आवेदनों की त्रुटि को ठीक करने के लिए कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिला कल्याण अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि डा. बीआर अम्बेडकर मेधावी संशोधित छात्रवृति योजना के तहत जिन छात्र छात्राओं ने आवेदन किया था परन्तु उनके आवेदन पत्रों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण उनके आवेदन पत्र ऑनलाइन सेंड बेक है। इस कारण उन्हें प्रोत्साहन राशी अब तक प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे सभी छात्र छात्राओं के लिए विभाग की ओर से 1 मई को अंत्योदय केंद्र में सुबह 10 से दोपहर बाद 3 बजे तक आवेदनों की त्रुटि को दूर करने के लिए कैंप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन छात्र छात्राओं के आवेदन पत्रों में कमी होने के कारण योजना का लाभ उन्हें नहीं प्राप्त हुआ है वे अपने सम्पूर्ण दस्तावेज आवेदन पत्र की सरल आईडी, जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, सभी साधनों से माता पिता का आय प्रमाण पत्र, आधार कक्षा की अंकतालिका, आवेदक के बैंक खाता की प्रति, वर्तमान कक्षा के आईडी कार्ड की प्रति साथ लेकर आएं। उन्होंने बताया कि मौके पर ही आवेदन पत्र में जो त्रुटियां हैं उन्हें दूर किया जाएगा।

माता-पिता की मौत के बाद रिश्तेदारों ने किया मकान पर कब्जा

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार) अंबाला जिले में पति-पत्नी की मौत के बाद उनके परिजनों और रिश्तेदारों ने मकान पर कब्जा कर लिया। दंपती की 2 बेटियों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंप मकान को कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई है। पुलिस ने मृतक के भाई, भतीजे और बहन को नामजद करते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला नग्गल थाना एरिया के अंतर्गत आने वाले गांव हिमायुपुर का है।

एसपी को सौंपी शिकायत पर जसविंदर कौर उर्फ टोनी और पमनी ने बताया कि उसकी मां करनैल कौर व पिता काका सिंह की मृत्यु हो चुकी है। माता-पिता की मौत के बाद उसके ताऊ गुरदेव सिंह ने अपने बेटे सोहन सिंह, मान सिंह और उसकी बुआ राम कौर के साथ मिलकर उसके पिता के मकान पर कब्जा कर लिया।

शिकायत में बहनों ने कहा कि आरोपियों ने मकान में रखा 6-7 लाख रुपए का सामान भी हड़प लिया। उनका पंचायती व महिला पुलिस थाने में भी फैसला हो चुका है, लेकिन उसके ताऊ का रिश्तेदार अरक मुकेश आरोपियों का सहयोग कर रहा है। आरोप लगाए कि उसका ताऊ, अरक मुकेश कुमार और बुआ राम कौर उनके मकान के डॉक्यूमेंट्स नहीं दे रहे। आरोपियों ने उनके मकान पर कब्जा किया हुआ है। रढ को शिकायत सौंपते हुए कब्जा दिलाने की गुहार लगाई है। नग्गल थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी गुरदेव सिंह, सोहन सिंह, मान सिंह व राम कौर के खिलाफ धारा 447 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट की तत्परता से समलैंगिकता पर समाज में गलत असर

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार) विश्व हिन्दू परिषद् व बजरंग दाल के कार्यकर्ताओं ने अजब सिंह राणा (जिला-मंत्री), समीर गुप्ता (जिला-अध्यक्ष) के नेतृत्व में डी. सी. श्रीमान डॉ शालीन जी के माध्यम से राष्ट्रपति व सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन भेजकर समलैंगिकता विवाह कानून के सम्बन्ध में न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर आश्चर्य जताते हुए चिंता व्यक्त की. विश्व हिन्दू परिषद् ने ज्ञापन में कहा है की विवाह एक पुरातन संस्कार है व सभी धर्मो ने मिलकर इसके लिए नियम व मयादाएँ बनाई है. जिससे समाज आगे बढ़ा। समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले धर्म गुरुओ व विद्वानो को भी माननीय सर्वोच्च न्यायालय को सुनना चाहिए. माननीय सर्वोच्च न्यायालय से विनम्र निवेदन है की समितियां बनाकर देशभर से समाज की राय जानना भी आवशयक है. इस कार्यक्रम में करणदीप शर्मा, राकेश खन्ना, रमन सैनी रजनीश राणा, रतीन्द्र राणा, बंटू सेठी, वशु मेघा, ज्ञान चाँद शर्मा, रणजीत, शिवम, पियूष, गंगा प्रसाद, कंवलजीत सहगल व शिवम आदि सम्मिलित हुए।

एनएचएम कर्मियों ने मांग पत्र सौंपा

संविदा कर्मचारियों को ठेका प्रथा से मुक्त कर नेशनल हेल्थ मिशन के अधीन किया जाए

टीम एक्शन इंडिया/ अम्बाला (मनीष कुमार)

अखिल भारतीय स्वास्थ्य एवं एनएचएम कर्मचारी महासंघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय वित्त सचिव दिनेश कुमार कौशिक ने बताया पूरे भारतवर्ष मे जिला स्तर पर उपायुक्त महोदय के द्वारा प्रधानमंत्री के नाम 27 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया।

भारत मे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य एवं नेशनल हेल्थ मिशन में लगे संविदा कर्मचारियों को ठेका प्रथा से मुक्त कर स्वास्थ्य विभाग या नेशनल हेल्थ मिशन के अधीन किया जाए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आज के दिन मुख्य भूमिका नेशनल हेल्थ मिशन की है क्योंकि इसमें मुख्य तौर से एंबुलेंस सेवा 108,102, टी.बी ,एडस.कुष्ठ रोग, स्कूल हेल्थ, आयुष विभाग जैसी अति महत्वपूर्ण लगभग 208 प्रोग्रामो का संचालन किया जाता है। इसमें कार्यरत कर्मचारी जो दिन रात मेहनत कर सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने में दिन-रात प्रयासरत हैं लेकिन उच्च अधिकारी और सरकार के द्वारा जो निरंतर इनका शोषण किया जा रहा है और मेहनत की कमाई से भी ये वंचित है जिस कारण आर्थिक और मानसिक तौर से परेशानी कर्मचारी झेल रहें और उतर प्रदेश जैसे कई राज्यो में आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर हैं। सरकार और कर्मचारी के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न करने वाली कर्मचारियों की गाढ़ी कमाई को हड़प करने वाली कंपनियों के टेंडर निरस्त किए जाने चाहिए।

राष्ट्रीय स्कीम वर्कर प्रभारी श्री सुरेंद्र कुमार पांडे जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ऑनलाइन हुई मीटिंग में राष्ट्रीय महामंत्री विश्वराध्य यमोजी, और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश कुमार के द्वारा सभी प्रदेशों के कार्यकारिणी सदस्यों को संबोधित कर आगे के दिशा निर्देश दिए और पूरे भारतवर्ष में उपायुक्त महोदय के मार्फत प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देने का निर्णय हुआ।

जिसमें मुख्य मांगे 60 वर्षों तक कर्मचारी की सेवा सुरक्षा दी जाए। सेवा आधारित वेतन वृद्धि की जाए कर्मचारी कल्याण आयोग का गठन और सामाजिक सुरक्षा का लाभ पेंशन की गारंटी ग्रेजुएटी का लाभ सभी प्रदेशों में कार्यरत कर्मचारियों को मिलना चाहिए संसाधन नीति का कार्यान्वयन और कर्मचारी कल्याण उपाय पर भारत सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए एक देश एक एचआर पॉलिसी, एक देश एक समान अवकाश पॉलिसी, स्थानांतरण नीति कपल केस को उनके निरंतर सेवा को देखते हुए पूरे देश में सरकार को लागू करनी चाहिए।

विकास के वायदे पर विशाल मांग रहे वोट

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा नगर निगम मथुरा वृंदावन में चुनाव प्रचार धीरे धीरे अपने चरम पर पहुंच रहा है। मैदान में डटे प्रत्याशी लगातार जनता के बीच संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वह जीते तो क्षेत्र का भरपूर विकास कराएंगे। नगर निगम के वार्ड नंबर 18 (जनरल गंज) से कई प्रत्याशी मैदान में हैं। वार्ड 18 से निर्दलीय पार्षद प्रत्याशी विशाल सिंह ने जनरल गंज, राजा बलि टीला, बाड़ा बिहारी दास, अम्बाखार, अंतापाडा आदि इलाकों में अपने समर्थकों के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की। वहीं आम आदमी, व्यापारी, दुकानदार क्षेत्र के सभी वर्ग के लोगों को आश्वासन दिया कि क्षेत्र का भरपूर विकास कराया जाएगा। विशाल सिंह का कहना है कि पिछले पांच साल से वार्ड का विकास न होने पर जनता में नाराजगी है। वार्ड 18 में जगह जगह गंदगी और टूटी फूटी सड़कों और पानी की समस्याएं है।

सुरक्षित सड़क सुरक्षित जीवन के तहत जागरूकता अभियान चलाया

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

भारत विकास परिषद महर्षि दयानंद शाखा द्वारा "सुरक्षित सड़क सुरक्षित जीवन" के तहत अम्बाला शहर की नई अनाज मंडी व मानव चौंक पर प्रकल्प किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी ट्रैफिक पूर्व भारतीय क्रिकेटर जोगिन्दर शर्मा शिरकत करेंगे। इस प्रकल्प के तहत परिषद सदस्यों द्वारा ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से ट्रालियों व अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने के साथ टू-व्हीलर चालकों को हेलमेट लगाने,फोर व्हीलर चालकों को सीट बैल्ट लगाने व सभी चालकों को वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस बाबत परिषद की ओर से अध्यक्ष अजय अग्रवाल के निर्देशन में सचिव राकेश मक्कड़ व प्रकल्प संयोजक किरण छिब्बर द्वारा अम्बाला के एसपी जश्नदीप सिंह रंधावा को अपने इस प्रकल्प की जानकारी देते हुए निवेदन किया जिसमें उन्होंने डीएसपी ट्रैफिक जोगिन्दर शर्मा के इस प्रकल्प में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की ।

इस प्रकल्प के लिए संरक्षक प्रदीप गोयल, सह संरक्षक दीपक राय आनंद, सह संरक्षक विवेक गुप्ता के निर्देशन में टीम का गठन किया गया है जिसमें उपरोक्त के साथ कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा, बाल एवं महिला संयोजिका रचना गुप्ता के साथ सह संयोजक के रूप में शरद सिंघल, विवेक गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य व व सभी अन्य सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी शाखा के प्रैस सचिव श्रीकृष्ण सैनी ने सांझा करते हुए सभी से ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए इस मुहिम को सफल बनाने की अपील की है।

पटेल रोड के देवेंद्र की जगाधरी गेट स्विफ्ट कार चोरी

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

अंबाला में चोरों का आंतक तेजी से बढ़ता जा रहा है। पुलिस भी इन चोरों को पकडने में नाकामयाब सिद्ध हो रही है। चोरों ने गत दिवस अंबाला शहर की जगाधरी गेट स्थित मदरासी डोसे की दुकान के बाहर खड़ी कार को चुरा लिया। पटेल रोड़ निवासी दवेंद्र सचदेवा ने बताया कि वह सेना नगर में बर्तन का काम करते हैं। रात्रि उन्होंने जगाधरी गेट पर अपनी स्वीफट डिजायर कार खड़ी की थी लेकिन सुबह जब वह आए तो उन्होंने ने देखा की उनकी कार घायब थी। हालांकि जब उन्होंने आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखे तो पता चला कि एक कार से तीन चार लोग उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं।

लॉजिस्टिक हब बनने पर निजामपुर की होगी कायाकल्प: तेज एडवोकेट

टीम एक्शन इंडिया / संजय शर्मा/नारनौल

आगामी सात मई को गांव गहली में प्रस्तावित जन सम्मान समारोह की भव्य सफलता के लिए जजपा नेताओं ने शनिवार को नांगल चौधरी हलके के नलवाटी क्षेत्र में ग्रामीणों को निमंत्रण देने पहुंचे। इस दौरान जजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट तेजप्रकाश यादव ने कहा कि सरकार की इस क्षेत्र को लॉजिस्टिक हब की सबसे बड़ी देन है और जिस दिन यह शुरू हो जाएगा, यहां पर विकास की झड़ी लग जाएगी। रोजगार के न केवल अवसर पैदा होंगे, बल्कि समूचे इलाके की कायाकल्प हो जाएगा। इस हब की स्थापना में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का बहुत बड़ा योगदान है और वह यहां मल्टी नेशनल कंपनियां लाकर यहां की कायाकल्प करने को तैयार हैं। अब वह दुष्यंत चौटाला सात मई को गांव गहली में जनसम्मान समारोह में आएंगे, जहां हम सभी को मिलकर भारी संख्या में उनका गर्मजोशी से स्वागत करना है। हलका अध्यक्ष हजारी लाल लंबौरा ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सात मई को भारी संख्या में गांव गहली पहुंचे और जन-जन के प्रियनेता दुष्यंत सिंह चौटाला का स्वागत करें। समारोह के संयोजक एवं जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने भी ग्रामीणों से जनसम्मान समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

दिवाली से पहले अंबाला से डोमेस्टिक एयरलाइंस शुरू कर दी जाएगी: कपिल

टीम एक्शन इंडिया/ अम्बाला (मनीष कुमार) कपिल विज ने कहा कि हरियाणा के गृह मंत्री श्री अनिल विज जी के प्रयासों के तहत आगामी दिवाली से पहले-पहले अंबाला से डोमेस्टिक एयरलाइंस शुरू कर दी जाएगी।

श्री कपिल विज अम्बाला में प्रयास सोसायटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रयास सोसाइटी पिछले कई वर्षों से सामाजिक कार्य निरंतर करती आ रही है। मुझे यह जानकर बहुत ही प्रसन्नता हो रही है कि सोसाइटी हर वर्ष 5 कन्याओं

की शादी करवाती है, अस्कूलों में गरीब बच्चों की फीस सोसायटी द्वारा दी जाती है, रक्तदान शिविर भी लगाया जाता है जोकि सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि सोसायटी द्वारा इस प्रकार के जन कल्याण के प्रयास किए जा रहे हैं जो बहुत ही अच्छी बात है। श्री विज ने कहा कि जो प्रयास करता है वही सफलता पाता है जिसने प्रयास ही नहीं करना उसको क्या सफलता मिलनी है। वर्ष 1997 में हमारे विधायक श्री अनिल विज जी ने यह प्रयास किया कि अंबाला में भी एक सरकारी कॉलेज होना चाहिए और वह सफल रहे। आज इस सरकारी कॉलेज में लगभग 4000 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ऐसे ही, उनके प्रयास से अंबाला में स्वास्थ्य सेवाओं के तहत नागरिक अस्पताल और कैंसर अस्पताल का निर्माण हुआ। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में जगाधरी रोड को फोरलेन किया गया। उन्होंने कहा कि वे प्रयास करते रहे तो सफल रहे और आज यह सभी चीजें धरातल पर है। उन्होंने कहा कि इन्हीं प्रयासों की दिशा के तहत यह सड़क बना कर दी है और इसका सभी लोगों को बहुत लाभ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि इस सोसाइटी का नाम जिसने भी प्रयास सोसाइटी रखा, उसका मैं धन्यवाद करता हूं क्योंकि प्रयास का बहुत गहरा अर्थ है। उन्होंने नई टीम के गठन पर अपनी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई दी और कहा कि मैं उम्मीद रखता हूं कि यह टीम पहले से ज्यादा सामाजिक कार्य करेंगी। उन्होंने बताया कि नई टीम को प्रोत्साहन के रूप में गृह और स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज जी की ओर से अनुदान के रूप में दो लाख रूपए देने की घोषणा की गई है।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर केरोलिन रोवेट ने रेनी सिंह की पुस्तक बियोंड दी स्टार्स का किया विमोचन

चंडीगढ़: जानी मानी लेखिका, प्रसिद्ध स्तंभकार और मैनेजमेंट गुरु रेनी सिंह ने शुक्रवार को होटल हयात रेजेंसी में आयोजित एक समारोह के दौरान ट्राईसिटी के पुस्तक प्रेमियों की उपस्थिति में अपनी चैथी काव्य पुस्तक बियोंड दी स्टार्स का विमोचन किया। इस पुस्तका का विमोचन चंडीगढ़ में ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशनर कैरोलिन रोवेट ने आमंत्रित बुद्धिजीवियों सहित लेखिका निरुपमा दत्त और राईवर्स पब्लिशिंग ग्रुप के निदेशक अफान येसवी के बीच किया। एक स्ट्रेस मैनेजमेंट कसंल्टेंट होने के नाते, रेनी सिंह का मानना है कि पूरी दुनिया स्नेह और आपसी प्रेम के इर्द गिर्द घूमती है और वहीं से लेखिका ने 130 पृष्ठों वाली इस पुस्तक के लिये प्रेरणा प्राप्त की। ये कवितायें प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव और अपने अंतर्मन के साथ तालमेल से लेखिका की भावनाओं तक पहुंचीं थी।रेनी मानती है कि कविता एक गीतात्मक तरीके को अभिव्यक्ति का रुप है जो किसी को भी आंतरिक इंद्रियों को मुक्ति की भावना देती है और दुनिया से जुड़ने की अनुमति देती है। रेनी सिंह की यह काव्य कृति प्रेम के विभिन्न पहलुओं पर एक ग्रंथ है जो पाठक के तनाव को दूर करने में मदद करती है। पुस्तक की कीमत 325 रुपये है और यह ऑनलाइन प्लेटफार्म जैसे ऐमोजन और आफलाईन भी उपलब्ध है।

रेनी की तीन काव्य पुस्तकें - सेक्रेड लांगिंग्स, सेक्रेड कर्मा और सेक्रेड डिजायर लिखी है। वह वर्तमान में विज्ञान और अध्यात्म के विषय में अपनी नई किताब पर जुटी हुई है। रेनी सिंह जो सेक्रेड लाईफ फाउंडेशन की संस्थापिका भी हैं, एक व्यापक दृष्टिकोण से वैलनेस सोल्यूशंस प्रदान करवाने में प्रयासरत एक संस्था है जिसका उद्देश्य दुनिया भर के लोगों में जागरुकता और चेतना को बढ़ाना है।

रेडीनेस मेले के जरिए अभिभावकों को किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा/नारनौल

आंगनवाडी केन्द्र मारोली के प्ले स्कूल में आंगनवाडी कार्यकताओं द्वारा शनिवार को रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की महिला पंच सुरमा देवी मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक भाषा व गणित के विकास की जांच की गई। आंगनवाडी वर्कर रजनी ने बताया कि सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनवाडी केन्द्रों में प्ले स्कूल शुरू किए गए हैं। जिसमें 3 से 6 साल तक के बच्चों को खेल खेल में शिक्षा व स्वास्थ्य पोषण के विषय में जागरूक किया जाता है। आंगनवाड़ी केंद्रों को स्कूलों में अपग्रेड कर प्ले स्कूलों की तर्ज पर खेल खेल में बच्चों को पढ़ाई की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि बच्चे खेल खेल में ही पढ़ाई भी कर सके।

ग्रामीण अंचल की छात्रा को राज्यपाल ने किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया /नांगल चौधरी

सादा जीवन उच्च विचार की मिसाल पेश करने वाली कुमारी ज्योति मंगला शिक्षा जगत में किसी नाम व परिचय की मोहताज नहीं। इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर की छात्रा रही 22 वर्षीय ज्योति मंगला को उनकी उपलब्धियों के लिए 25 अप्रैल को हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में प्रथम स्थान अर्जित करने पर सम्मानित किया गया। महामहिम राज्यपाल ने कहा बेटियों के बढ़ते कदम शिक्षा जगत में नए आयाम स्थापित करेंगे। कुमारी ज्योति मंगला वर्तमान में बाबा खेतानाथ पॉलिटेक्निकल के हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में प्रवक्ता पद पर आसीन हैं। उन्होंने अपने साक्षात्कार में बताया वे दो बार नीट की परीक्षा पास कर चुकी हैं। नीट की परीक्षा में देश में 38 वां रैंक, आईआईटी में देश में 15वां रैंक हासिल किया व गेट में भी 78 वां रैंक हासिल किया है। कुमारी मंगला ने बताया मेरा लक्ष्य यूपीएससी की परीक्षा पास करना है, जो कठिन तो है, परंतु असाध्य नहीं। मंगला की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल दिखाई दिया। धार्मिक प्रवृत्ति की ज्योति मंगला प्रतिदिन सुबह-शाम दो घंटे भगवत भजन में गुजारती है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय दादा गजानंद, दादी चंद्रकला, पिता हरेंद्र गुप्ता, माता चंचल गुप्ता ,चाचा लालचंद व गुरुजनों को देते हुए कहा चाचा गोपी मंगला के मार्गदर्शन का धन्यवाद, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया । कुमारी मंगला ने दोहराया यूपीएससी की मंजिल अभी बाकी है,जिसे वह हासिल करके ही दम लेगी। वहीं होनहार विद्यार्थी की इस उपलब्धि पर नांगल चौधरी के लोगों में खुशी की झलक देखी गई।

एस ए जैन विजय वल्लभ पब्लिक स्कूल में ओरिएंटेशन का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/ अम्बाला (मनीष कुमार) एस ए जैन

विजय वल्लभ पब्लिक स्कूल में प्री०प्राइमरी व प्राइमरी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल की प्रधानाचार्या डा० रूचिका भूटानी जी के दिशा-निर्देशों पर किया गया। इसमें बच्चों व उनके अभिभावकों ने विशेष तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके साथ ही नवकार मंत्र का उच्चारण भी किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने संदेशपरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण वृक्ष बचाओ, जीवन बचाओ लघु नाटिका व मनमोहक नृत्य रहे। अभिभावकों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या डा० रूचिका भूटानी जी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षिक नीतियों से अवगत करानाऔर यह जानकारी प्रदान करना है कि

8 कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया

बच्चों के भविष्य को कैसे काबिल बनाया जाए और उनके अंदर छिपी प्रतिभा को कैसे बाहर निकाला जाए। अभिभावकों को बताया गया कि किस प्रकार विद्यालय प्रांगण में बच्चों के मनोविज्ञान को ठीक से समझ कर उन्हें आगे बढ़ने का सदैव सुअवसर प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वपक्षीय विकास पर ध्यान देना है इस कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों की ओर से प्रधानाचार्या जी से कुछ सवाल भी किए गए। अभिभावकों ने भी अपने विचारों के माध्यम से बताया कि बच्चों को शिक्षा थोपने की बजाय उनकी रुचि अनुसार बेहतर माहौल मिले यही अभिभावक की इच्छा होती है जिनके प्रधानाचार्या जी ने बहुत ही संतोषजनक जवाब दिए। इस पर अभिभावकों ने खुशी जाहिर की। प्रधानाचार्या जी ने बताया कि स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विद्यालय पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सरोकार और राष्ट्र हित के कार्यों में भी विशेष रुचि लेता है।

आर्य गर्ल्ज कॉलेज में एजूकेशनल फेस्ट का आयोजन

8 कार्यक्रम में 31 संस्थानों ने भाग लिया और कॉलेज में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए गए

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)

आर्य गर्ल्ज कॉलेज, अम्बाला छावनी के प्रांगण में करियर गाइडेंस सैल द्वारा एजूकेशनल फेस्ट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 31 संस्थानों ने भाग लिया और कॉलेज में स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए गए। इस एजूकेशन फेयर में साथ अकादमी, महेंद्रा इंस्टीच्यूट, ए.आई,एम.टी., अम्बाला शहर, मारूति ड्राइविंग स्कूल, एकांश व्हील, अम्बाला शहर, लैक्मे अकेडमी, विद्यापीठ आई.ए.एस., फलाइंग कलर इंस्टीच्यूट, सन स्टोन यूनिवर्सिटी, वी.एल.सी.सी. इंस्टीच्यूट, ग्लेक्सी ग्लोबल, वेस्टर्न ओवरसीज, स्टडी वर्ल्ड टूडे, भारती एक्सा लाईफ, पृथ्वीशील आयुर्वेद, रमाड़ा, क्रॉस लैंड, स्कॉलर द विजा डेस्टीनेशन आदि ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि हुई।

रुद्राक्ष धारण करने से शरीर और मस्तिष्क को मिलते हैं ये 5 फायदे

चित्त और मन शांत रखने में लाभदायी

हिंदू धर्म के अनुसार रुद्राक्ष पहनना शुभ माना जाता है। रुद्राक्ष पहनना केवल धर्म की परंपरा के अनुसार ही शुभ नहीं है, बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। रुद्राक्ष आपके चित्त एवं मन शांत रखने में लाभदायी है। रुद्राक्ष पहनने से व्यक्ति का आध्यात्मिक एवं मानसिक सेहत दोनों को फायदा होता है। रुद्राक्ष में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक गुणों के कारण अद्भुत शक्ति होती है। इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी फलोरिडा के वैज्ञानिक डॉक्टर डेविड ली के अनुसार रुद्राक्ष विद्युत ऊर्जा के आवेश को संचित करता है, जिससे इसमें चुंबकीय गुण विकसित होते हैं। इसे डाय इलेक्ट्रिक प्रापर्टी कहा गया है। रुद्राक्ष की डायनमिक पोलेरिटी अद्भुत होती है, यह आपके मस्तिष्क में कुछ केमिकल्स को प्रोत्साहित करते हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि रुद्राक्ष के क्या-क्या फायदे हैं।

रुद्राक्ष के मानसिक प्रभाव

रुद्राक्ष आपके तन एवं मन दोनों के लिए फायदेमंद है। रुद्राक्ष आपकी बौद्धिक क्षमता एवं स्मरण शक्ति के बेहतर बनाने में फायदेमंद है। इसके अलावा तनाव एवं चिंता की समस्या से परेशान लोगों को रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। इससे आपका मानसिक तनाव कम होता है और शरीर की ऊर्जा में वृद्धि होती है। इसके अलावा इसे पहनने से तनाव डिप्रेशन एवं सिर दर्द की समस्या होने के कम आसार रहते हैं।

दिल के लिए भी फायदेमंद रुद्राक्ष

रुद्राक्ष आपके दिल के लिए भी सही माना जाता है। इसमें मौजूद कीमोफार्माकोलॉजिकल विशेषताओं के कारण यह दिल संबंधी समस्यों को दूर करने में मदद करता है। रुद्राक्ष हृदयरोग, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखने में भी प्रभावी है।

अधिक चिकन खाने से लोगों में कम हो रहा है फर्टिलिटी रेट

- जानवरों को मोटा करने दिया जाता है ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन।
- चिकन खाने से हम छोटी-छोटी मात्रा में लेते हैं ऑक्सिटोसिन।
- बीमार मुर्गियों के अंडे और मांस खाने से लोग हो रहे हैं बीमार।

भागती-दौड़ती जिंदगी में हेल्दी रहने के लिए और अधिक से अधिक पोषक-तत्वों का सेवन करने के लिए लोग शाकाहारी चीजों के बजाय मांसाहारी चीजों का सेवन करते हैं। जबकि मांसाहारी पदार्थों से कई सारी बीमारियां होती हैं।

जी, हां। ये खबर सुनकर चौंकने की जरूरत नहीं है। नॉनवेज खाने से कई सारी बीमारियां पैदा होती हैं। खासकर फर्टिलिटी रेट कम होने जैसी समस्या इस कारण ही होती है। दरअसल आजकल जानवरों को ऑक्सिटोसिन का इंजेक्शन देकर जल्दी-जल्दी बड़ा और मोटा किया जाता है। उन जानवरों को तो ऑक्सिटोसिन का इंजेक्शन जरूर ही दिया जाता है, जिन्हें मांस के लिए काटा जाता है। इस ऑक्सिटोसिन के इंजेक्शन द्वारा मोटे और बड़े हुए जानवरों का मांस खाने से शरीर में कई सारी बीमारियां पैदा होती हैं, लेकिन सबसे खतरनाक इसका जो प्रभाव होता है वो ये कि इससे महिलाओं में फर्टिलिटी रेट कम हो जाती है। कोई भी दुकानदार ये तो मानेगा नहीं की उसने अपने बूचड़खाने में पल रहे मुर्गे-मुर्गियों को ऑक्सिटोसिन का इंजेक्शन लगाया है। ऐसे में आप दुकानदार की बात मानकर चिकन को साफ और हेल्दी समझकर ले रहे हैं तो अन्य कारणों की भी जानकारी ले लें।

दरअसल इन ढेर सारे मुर्गे-मुर्गियों को जिस जगह में रखा जाता है, वहां उनके लिए सांस लेना भी मुश्किल होता है। इन जगहों में वे ठीक ढंग से चलना-फिरना तो दूर ठीक ढंग से सांस भी नहीं ले पाते। जिसके कारण वे अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। इन बीमार मुर्गियों के अंडे तथा मांस के सेवन से उसमें जो हानिकारक व वायरस बैक्टिरिया उपस्थित होते हैं वे मनुष्य के शरीर में पहुंच जाते हैं तथा उनमें कई सारी बीमारियां पैदा होने का कारण बनते हैं।

रेसिपी

ब्रेड चीज बॉल्स

सामग्री

- स्लाइस ब्रेड: 4 ■ प्याज (बारीक कटी हुई): 1-2 ■ ब्रेड क्रम्बस: 1 कप ■ मोजरेला चीज (कद्दूकस किया हुआ): 1 कप ■ चीज क्यूब्स (कद्दूकस किया हुआ): 1 कप ■ हरी मिर्च (बारीक कटी हुई): 1 टेबलस्पून ■ कलियां लहसुन की कली (बारीक कटी हुई): 3-4 ■ उबले हुए आलू (मैश किए हुए): 3 ■ काली मिर्च पाउडर: 1 टेबलस्पून ■ हरा धनिया: जरूरत के अनुसार ■ तेल: जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वाद के अनुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मोजरेला चीज, चीज क्यूब, हरा धनिया, हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, प्याज और लहसुन डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मसाले के छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर फ्रिज में 10-15 मिनट के लिए रख दें। अब एक कटोरी में पानी लें और इसमें एक-एक कर ब्रेड की स्लाइस डालकर पानी को पूरी तरह से निचोड़ते हुए एक दूसरी कटोरी में रखते जाएं। अब उसी कटोरी में मैश किए हुए आलू, नमक, हरा धनिया डालकर अच्छे से मिला लें। इस तैयार मिश्रण के गोल-गोल बॉल्स बनाकर इसमें गड्ढा कर पहले से तैयार मसाले को बॉल्स को भरते हुए बड़े बॉल्स बना लें। अब बॉल्स की आउटर कोटिंग के लिए एक प्लेट में ब्रेड क्रम्बस को फैला लें और सारे बॉल्स को इसमें कोट कर लें। अब एक कढ़ाही में तेल डालकर मीडियम आंच पर चढ़ाएं। तेल के गरम होते ही इसमें बॉल्स डालकर गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक फ्राई करते जाएं और एक प्लेट में निकाल कर किनारे रखते जाएं। ऊपर से नींबू का रस डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

वेजिटेबल रायता

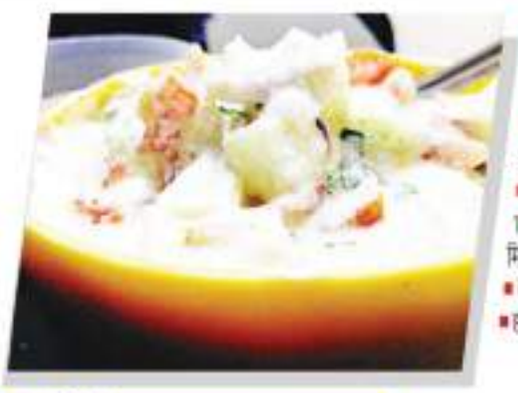

सामग्री

- दही: 1 कप ■ जीरा पाउडर: 1 टीस्पून ■ काला नमक: 1/2 टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ प्याज, बारीक कटी हुई: 1 ■ टमाटर, बारीक कटा हुआ: 1 ■ बारीक कटी शिमला मिर्च: 2 टेबलस्पून ■ बारीक कटा खीरा: 3 टेबलस्पून ■ बारीक कटी पुदीनापत्ती: 1 टीस्पून ■ धनियापत्ती: 1 टीस्पून ■ हरी मिर्च, बारीक कटी: 2 ■ नमक स्वाद के अनुसार

विधि

वेजिटेबल रायता बनाने से पहले दही को 10-12 मिनट तक फ्रिजर में रख दें। इसके बाद एक बड़े बर्तन में दही लेकर अच्छी तरह फेंट लें। ध्यान रहे दही में एक भी गांठ नहीं रहनी चाहिए। इसके बाद दही में जीरा पाउडर, काला नमक, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और स्वाद के अनुसार नमक डालकर अच्छी तरह फेंट लें। इसके बाद दही में बारी-बारी से सब्जियां डालेंगे। वेजिटेबल रायता के लिए दही में सबसे पहले प्याज, खीरा और शिमला मिर्च डालकर मिलाएंगे। फिर इसमें टमाटर, धनिया और पुदीने की पत्तियां और इसके बाद हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे सर्विंग बाउल में डालकर सर्व करें। यह रायता अपने मनपसंद पराठों के साथ खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य संपन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। विलोम वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। तनावपूर्ण का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते चले जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी, मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

काकुरो पहेली - 4039

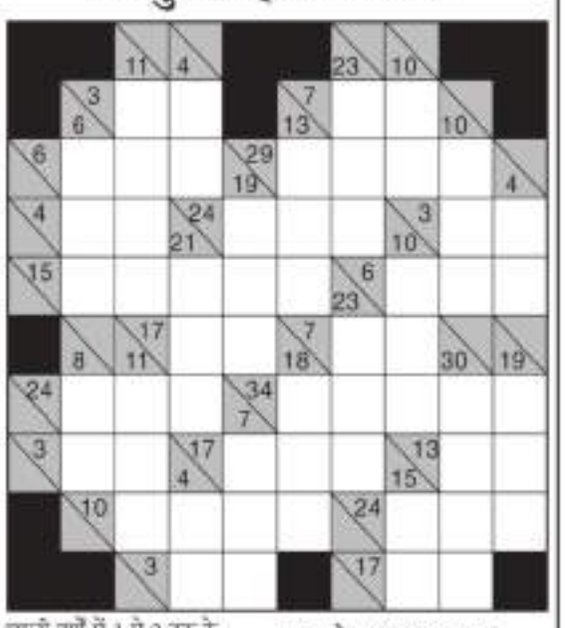

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो - 4038 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 4039

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरी सोनिया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूं तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'प्यार के बारह महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'फलक से खुली या चंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते जाते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोनी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सम्पूर्ण बातें लखा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल बिन तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नूतन की 'रुक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, मायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. मोमदन, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'यार मनाए तेरें' गीत वाली फिल्म-२,३
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का नायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूं ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, तनूजा की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के पहली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-३
२५. टी. वी. धारावाहिक 'खोज' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली 4038

सूडोकु -4039

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4038 हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -4039

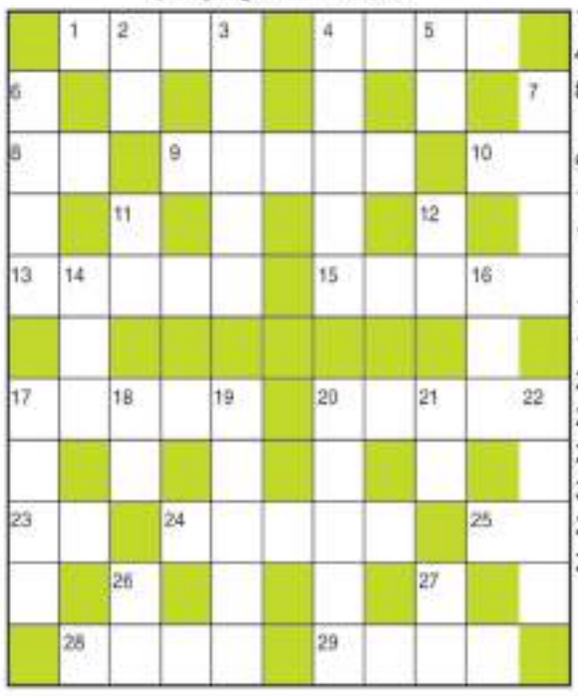

बाएं से दाएं

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.मद,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली 4038 का हल

राहुल ने इन बल्लेबाजों को दिया जीत का श्रेय

मोहाली। आईपीएल 2023 के 38वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंजाब किंग्स को 56 रनों से धूल चटाई।

राहुल ने कहा, 'खुशी है कि हमें जीत मिली। अब से हर मैच काफी अहम होगा। आखिरी गेम के बाद हमने ब्रेक लिया था। हम उसके बाद फ्रेश होकर वापस आए। हम स्पष्ट थे कि कैसे बल्लेबाजी करनी है। जब आप ऐसे विकेट देखते हैं तो आप बल्लेबाज के रूप में उत्साहित हो जाते हैं। 250 रन बनाना बताता है कि हमने कैसी बल्लेबाजी की। आप जो उम्मीद कर सकते हैं उससे परिचित हैं। सिर्फ विकेटों से परिचित होने से मदद मिलती है। हम हमेशा शुरुआत में टोन सेट करने की बात करते हैं। हमारे पास काइल मायर्स, मार्कस स्टोइनिस जैसे लोग थे। आयुश बडोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और दीपक हुड्डा भी। हमारा थिंक टैंक ज्यादातर सोचता है और मैं यह समझने की कोशिश करता हूं कि वे क्या सोच रहे हैं और अगर यह हमें सूट करता है, तो हम योजना के साथ आगे बढ़ते हैं।'

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण सहित आठ पदक जीते

देहरादून। मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप (महाकाल कप) में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 06 स्वर्ण सहित कुल 8 पदक जीत कर राज्य का नाम रोशन किया है। ताइक्वांडो उत्तराखंड संस्था के अध्यक्ष अमित मल्होत्रा ने बताया कि उज्जैन में होने वाली ओपन नेशनल चैंपियनशिप के लिए उत्तराखंड ताइक्वांडो की टीम रवाना हुई थी। जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल देहरादून के 4 खिलाड़ियों ने उत्तराखंड टीम से भाग किया। इस नेशनल

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्तराखंड टीम ने कुल 8 पदक जीते, जिसमें 6 स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक रहा।

मुख्य कोच संदीप सैनी ने कहा कि खिलाड़ियों ने उत्तराखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। पदक जीतने वालों में नमन सैनी ने दो गोल्ड मेडल, इशिका घिल्डियाल ने गोल्ड मेडल, दिल्ली पब्लिक स्कूल के कृष्णा, शौर्य, दीपांक ने गोल्ड मेडल, आदित्य ने रजत पदक और आदर्श ने कांस्य पदक जीता। उत्तराखंड से टीम के कोच की भूमिका सोनिया सैनी और नमन सैनी ने निभाई।

प्रयागराज की सबजूनियर मंडलीय बालिका वॉलीबाल टीम घोषित

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम कम्पनी बाग में मंडल स्तरीय बालिका सबजूनियर (अंडर-16) वॉलीबाल टीम का चयन-ट्रायल हुआ। चयनित बालिका टीम आजमगढ़ जिले में तीन

से छह मई तक आयोजित प्रदेशीय बालिका सबजूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल की टीम का प्रतिनिधित्व करेगी।

डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव आर.पी शुक्ला के अनुसार चयनित टीम के खिलाड़ी तेजस्वनी शुक्ला (कप्तान), दिव्या, साक्षी कुमारी, नम्रता शर्मा, पल्लवी यादव, अंजली यादव, पूर्णिमा श्रीवास्तव, पलक सिंह, खुशी भारती (सभी प्रयागराज), नेहा गौतम, कीर्ति यादव, काजल (सभी प्रतापगढ़) हैं। आरक्षित खिलाड़ी में इच्छा पांडेय (प्रयागराज), खुशी पाल, प्रियंका यादव (प्रतापगढ़) हैं। जबकि टीम मैनेजर-कोच आशीष यादव हैं।

मायर्स और स्टोइनिस ने दिलाई लखनऊ को पंजाब पर शानदार जीत

मोहाली। काइल मायर्स और मार्कस स्टोइनिस की आक्रामक पारियों के दम पर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने आईपीएल के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाने के बाद पंजाब किंग्स को आईपीएल के मैच में 56 रन से हरा दिया।

मायर्स ने पावरप्ले में बल्ले से आग उगलते हुए 24 गेंद में 54 रन बनाये जबकि स्टोइनिस ने 40 गेंद में 72 रन की पारी खेली जिसके दम पर लखनऊ ने पांच विकेट पर 257 रन बनाये। आयुष बडोनी ने 24 गेंद में 43 और निकोलस पूरन ने 19 गेंद में 45 रन बनाये।

जवाब में पंजाब की टीम 19.5 ओवर में 201 रन पर आउट हो गई। अथर्व तायडे ने 36 गेंद में 66 रन बनाये जो आईपीएल में उनका पहला अर्धशतक है। लियाम लिविंगस्टोन (22 गेंद में 36 रन) और सिकंदर रजा (14 गेंद में 23 रन) हालांकि टिककर नहीं खेल सके। कप्तान शिखर धवन तीन मैचों के बाद लौटे लेकिन दो गेंद ही खेल पाये। युवा तेज गेंदबाज वंश ठाकुर ने चार ओवर

में 37 रन देकर चार विकेट लिये। लखनऊ की यह आठ मैचों में पांचवीं जीत थी जबकि पंजाब की आठ मैचों में चौथी हार रही।

पंजाब का स्कोर एक समय 15 ओवर में चार विकेट पर 152 रन था लेकिन आखिरी पांच ओवर में 106 रन बनाकर लगभग असंभव था।

इससे पहले धवन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। राहुल चाहर को छोड़कर उनके सभी छह गेंदबाजों ने दस रन प्रति ओवर से अधिक की औसत से रन दिये। फॉर्म में चल रहे अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 54 रन दे डाले। कैगिसो रबाडा ने चार ओवर में 52 रन दिये हालांकि उन्हें दो विकेट मिले।

यह आईपीएल के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के नाम है जिसने 2013 में क्रिस गेल के 175 रन की मदद से 263 रन बनाये थे।

बल्लेबाजों की ऐशगाह पिच पर सिर्फ लखनऊ के कप्तान केएल राहुल नहीं चल सके और नौ गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैच की पहली गेंद पर गुरनूर बरार की गेंद पर उन्हें जीवनदान भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाये।

मायर्स ने पहले ही ओवर में अर्शदीप को चार चौके लगाये। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और चार छक्के जड़े। मायर्स के आउट होने के बाद स्टोइनिस और बडोनी ने 47 गेंद में 89 रन जोड़े। स्टोइनिस ने अपनी पारी में पांच छक्के और छह चौके लगाये। लखनऊ ने आखिरी छह ओवर में 73 रन बनाये।

स्टोइनिस 13वें ओवर में आउट हो जाते लेकिन लांग आन पर कैच लपकने के प्रयास में लियाम लिविंगस्टोन ने सीमारेखा को छू दिया।

हार के बाद कप्तान धवन बोले - मैच से पहले किया यह बदलाव गलत साबित हुआ

मोहाली। आईपीएल 2023 के 38वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंजाब किंग्स को 56 रनों से धूल चटाई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 257 रन बनाए, जिसके जवाब में पंजाब 19.5 ओवर में 201 रनों पर सिमट गया। मैच के हार के बाद पंजाब के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि टीम ने बहुत फालतू रन दिए और उन्होंने कहा कि स्पिनर की जगह अतिरिक्त तेज गेंदबाज खिलाने का फैसला गलत साबित हुआ। धवन ने कहा, ''हमने बहुत रन फालतू दिए जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी के फैसले पर उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को लेकर उतारने की रणनीति गलत साबित हुई जबकि केएल राहुल ने एक अतिरिक्त स्पिनर उतारा था। मैंने कुछ बदलने की कोशिश की जो आज नहीं चली लेकिन कोई बात नहीं। मेरे लिए यह अच्छा सबक है और अब मजबूती से वापसी करूंगा।

पोंटिंग का फूटा गुस्सा, बोले- दूसरे टीम के ओपनर्स पृथ्वी शॉ से अच्छा खेल रहे हैं

नई दिल्ली। नेट पर कड़ा अभ्यास करने वाले पृथ्वी शॉ से रिकी पोंटिंग को जल्दी ही एक अच्छी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि दूसरी टीमों के कई सलामी बल्लेबाज उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शॉ को छह मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद आखिरकार बाहर रखा गया और अब उनकी जल्दी वापसी मुश्किल लगती है। पोंटिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच से पहले कहा, ''पिछले 12 आईपीएल मैचों (2022 के मिलाकर) से पृथ्वी ने अर्धशतक नहीं लगाया है। दूसरी टीमों के शीर्षक्रम के कई बल्लेबाज उससे बेहतर खेल रहे हैं।

इस आईपीएल में साथ ने छह मैचों में 47 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने कहा, ''फॉर्म में होने पर पृथ्वी मैच विनर है। यही वजह है कि उसे टीम में बरकरार रखा गया था क्योंकि अगर वह टिक गया तो हम मैच जीत सकते हैं। इस सत्र में हालांकि वह अच्छा नहीं खेल सका। छह मैचों में करीब 40 रन बनाए है जिससे हमारा काम नहीं

चलने वाला। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था लेकिन उम्मीद है कि हमने जो टीम चुनी है, वह कल का मैच जीतेगी।उन्होंने कहा, ''इस साल जब वह आया तो कुछ सप्ताह एनसीए में बिताकर आया था। उसने फिटनेस पर काफी मेहनत की है और नेट पर उसकी मेहनत को देखकर मुझे लगता था कि यह साल उसके लिये बड़ा होगा लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं।

दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्कराम को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में अंतिम एकादश में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उसमें बार बार बदलाव देखने को मिले हैं। मार्कराम ने कहा, ''ज्यादा बदलाव से निरंतरता नहीं बन पाती द। मेरा मानना है कि निरंतरता रखने से ही नतीजे मिलते हैं। उम्मीद है कि अब बल्लेबाजी में निरंतरता बनी रहेगी।

प्रभात जयसूर्या ने तोड़ा 71 साल पुराना रिकॉर्ड, सबसे तेज 50 टेस्ट विकेट लेने वाले स्पिनर बने

गाले। श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने गाले में आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन 71 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

जयसूर्या ने अपने सातवें टेस्ट में 50 विकेट लेकर स्पिनर के रूप में सबसे कम मैचों में 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने आयरलैंड के बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग का विकेट लेकर वेस्टइंडीज के अल्फ वेलेंटाइन को पीछे छोड़ दिया है।

31 वर्षीय जयसूर्या ने टेस्ट प्रारूप में अपने पदार्पण के बाद से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने जुलाई 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 177 रन देकर 12 विकेट लिए।

जयसूर्या ने गाले में दूसरे टेस्ट में आयरलैंड की पहली पारी में 174 रन देकर पांच विकेट हासिल किये, ये छठी बार है, जब उन्होंने एक पारी में पांच विकेट लिए हैं। उन्होंने तीसरी बार एक मैच में 10 विकेट दर्ज करने के लिए दूसरी पारी में केवल पांच विकेट लेने की जरूरत है।

जयसूर्या से पहले, वेलेंटाइन के नाम यह रिकॉर्ड धारक था।

बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर ने 1951/52 में ऑस्ट्रेलिया के वेस्टइंडीज दौरे के चौथे टेस्ट में अपना 50वां विकेट लिया। उन्होंने अपने आठवें मैच में उपलब्धि हासिल की और एक रिकॉर्ड बनाया जो 71 से अधिक वर्षों तक चला। श्रीलंकाई स्पिनर के सामने अब सबसे कम मैचों में 100 विकेट लेने का रिकॉर्ड है, जो इंग्लैंड के तेज जॉर्ज लोहमन के नाम है। लोहमन ने 1896 में अपने 16वें टेस्ट में 100वां विकेट लिया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर जलेरी ग्रिमेट और पाकिस्तान के वासिर शाह उन चार गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्होंने अपने 17वें टेस्ट में यहउपलब्धि हासिल की।

Barcelona लगातार तीसरी बार महिला चैंपियंस लीग के फाइनल में

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने कैंप नोउ में 72000 घरेलू दर्शकों के सामने चेल्सी को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर लगातार तीसरी बार महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। बार्सिलोना ने शनिवार को लंदन में पहले चरण के सेमीफाइनल में 1-0 से जीत दर्ज

इस बार फाइनल में उसका मुकाबला आर्सेनल या वोल्फ्सबर्ग से होगा। फाइनल तीन जून को नीदरलैंड के आइंडहोवन में खेला जाएगा।

की थी और इस तरह से वह 2-1 के कुल योग से जीत हासिल करने में सफल रहा। बार्सिलोना पिछले साल फाइनल में लियोन से हार गया था लेकिन इससे पहले साल उसने चेल्सी को हराकर पहली बार महाद्वीपीय खिताब जीता था। इस बार फाइनल में उसका मुकाबला आर्सेनल या वोल्फ्सबर्ग से होगा। फाइनल तीन जून को नीदरलैंड के आइंडहोवन में खेला जाएगा।

कतर को मिली बास्केटबॉल विश्व कप के आयोजन की जिम्मेदारी, 2027 में होना है वर्ल्ड कप

कतर। कतर बास्केटबॉल फेडरेशन को फीबा बास्केटबॉल वर्ल्डकप 2027 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस विश्व कप के सभी खेलों का आयोजन दोहा में किया जाएगा। फीबा का सेंट्रल बोर्ड लगाई गई बोलियों से प्रभावित हुआ। दोहा में होने वाले इस इवेंट में 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें सभी मुकाबले खेले जाएंगे।विश्व कप के आयोजन को लेकर फीबा ने कहा कि 32 टीम इवेंट में सभी खेलों का मंचन किया जाएगा। फीबा ने मेट्रो सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क आदि को लेकर कहा कि यहां हर तरह की सुविधाएं खिलाड़ियों, टीमों और दर्शकों के लिए उपलब्ध है। बता दें कि हाल ही में कतर में फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन नवंबर और दिसंबर के महीने में हुआ था।

हालांकि फुटबॉल विश्व कप की तैयारी के दौरान कतर को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। दरअसल कतर में प्रवासी मजदूर के साथ दुर्व्यवहार

की घटना सामने आई थी जिसके बाद काफी आलोचना भी हुई थी। फीबा 77ने 2023 टूर्नामेंट ड्रा की पूर्व संध्या पर अपने निर्णय की घोषणा में श्रम या मानवाधिकारों के मुद्दों का कोई संदर्भ नहीं दिया था। इस आयोजन की खास बात है कि इसका आयोजन सिर्फ एक ही शहर में होगा। ऐसे में सभी टीमें, दर्शक आदि अपने लिए पहले से ही योजना बना सकते है। इस आयोजन के जरिए उन्हें एक अनोखा अनुभव होगा। बता दें कि दोहा की खासियत है कि यहां एक जगह से दूसरी जगह जाने की अधिकतम दूरी सिर्फ 30 मिनट की है। इससे अधिक समय कहीं पहुंचने में नहीं लगता है।

बता दें कि पुरुष बास्केटबॉल विश्व कप के लिए फीबा ने सभी स्थानों का निर्माण पहले ही कर लिया है, जबकि व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली हरित प्रौद्योगिकियाँ फीबा बास्केटबॉल विश्व कप 2027 को कार्बन-न्यूट्रल इवेंट के रूप में वितरित करने में मदद करेंगी।

इस टीम को मिलेगी डायरेक्ट एंट्री

बता दें कि 89वें नंबर की कतर टीम मेजबान के रूप में स्वत- ही क्वालीफाई कर लेगी। कतर ने आखिरी बार 2006 विश्व चैंपियनशिप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था और अपने सभी पांच गेम हार गया था। कतर पुरुषों के टूर्नामेंट का तीसरा सीधा एशियाई मेजबान है। चीन ने 2019 की मेजबानी की और फिलीपींस, जापान और इंडोनेशिया ने इस साल के संस्करण की मेजबानी 25 अगस्त-सितंबर से की। 12. स्पेन डिफेंडिंग चैंपियन है। 2026 में महिला विश्व कप की मेजबानी जर्मनी द्वारा बर्लिन में की जाएगी, फीबा ने भी फैसला किया।

पहलवानों के समर्थन में नहीं आया कोई भी क्रिकेटर, विनेश फोगाट ने पूछा- आप डरे क्यों हैं

कतर। जंतर मंतर पर इन दिनों देश के दिग्गज पहलवानों का धरना जारी है। पहलवानों के समर्थन में अब तक कई दिग्गज आ चुके है जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, खाप पंचायतों समेत कई दिग्गज आ चुके है। जंतर मंतर पर पहलवान मांग कर रहे हैं कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

इसी बीच पहलवान विनेश फोगाट ने देश के दिग्गज क्रिकेटरों और खिलाड़ियों पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का काफी दुख है कि देश के दिग्गज क्रिकेटर पहलवानों के समर्थन में आगे नहीं आ रहे है। जो पॉवर मे आए लोगों के खिलाफ कोई बात नहीं कर रहे है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी सत्ता पर काबिज लोगों की पॉवर देखने के बाद उनके खिलाफ खड़े होने का साहस नहीं कर रहे हैं जिससे उन्हें काफी पीड़ा हुई है। बता दें कि विनेश फोगाट इन दिनों ओलंपिक

मेडल विजेता साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया समेत कई पहलवानों के साथ मिलकर जंतर मंतर पर धरना दे रही है, जिसमें भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की जा रही है। विनेश फोगाट ने कहा कि पूरा देश क्रिकेट को पूजता है मगर अब तक पहलवानों के समर्थन में किसी क्रिकेटर ने कुछ नहीं कहा है। कोई पहलवानों के साथ आकर खड़ा नहीं हुआ है। हम क्रिकेटरों से अपने समर्थन में खड़े होने के लिए नहीं कह रहे हैं मगर उन्हें इस मुद्दे पर अपने विचार साझा करने चाहिए। देश के हर खिलाड़ी को जो किसी भी खेल से जुड़ा है उसे आगे आना चाहिए।

ब्लैक लाइव्स मैटर का दिया उदाहरण

ब्लैक लाइव्स मैटर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब अमेरिका में इसकी शुरुआत हुई थी तो विश्व भर के खिलाड़ी जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने एक साथ आए थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में कई बड़े दिग्गज खिलाड़ी हैं जिनका विश्व भर में बड़ा नाम है। अमेरिका में हुए ब्लैक लाइव्स मैटर मूवमेंट में उन्होंने अपना योगदान और समर्थन दिखाया था मगर हमारे साथ कोई समर्थन नहीं दिखाया गया है।

बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने ओपन लेटर्स और वीडियो के जरिए विभिन्न खेलों में खेलने वाले खिलाड़ियों को समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम खिलाड़ियों से समर्थन मांग रहे है मगर वो किसी डर के कारण ही हमारे साथ खड़े नहीं हुए है। हो सकता है हमारे साथ आने से खिलाड़ियों की स्पॉन्सरशिप पर असर पड़ेगा जो वो नहीं चाहते है। उन्होंने कहा कि जब हम मेडल जीतकर लाते है तो क्रिकेटर से लेकर कई खिलाड़ी हमें शुभकामनाएं देते हुए ट्विट करते है मगर अभी कोई साथ नहीं आ रहा है।

Ajinkya Rahane को टीम में शामिल किए जाने पर आया Ravi Shastri का बयान, कहा- अय्यर के चोटिल होने के बाद वो ही विकल्प थे

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि श्रेयस अय्यर के पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' के कारण बाहर होने के बाद अजिंक्य रहाणे का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना तय था। डब्ल्यूटीसी का फाइनल सात से 11 जून तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। शास्त्री ने 2014 से 2021 के बीच सात में से छह वर्षों के लिए भारतीय टीम को कोचिंग दी है। उन्होंने उन लोगों पर कटाक्ष किया जिन्हें लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग में तीन बेहतरीन पारियां खेलने से रहाणे को भारतीय टीम के लिए चुना गया। शास्त्री ने कहा, '' ऐसे लोग शायद छुट्टी पर होंगे जब रहाणे ने घरेलू सत्र में 600 (रणजी ट्रॉफी) से अधिक रन बनाये।''इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, '' मुझे खुशी है कि उसने इस टीम में जगह बनायी। उसने आईपीएल में खेले गए इन दो-तीन मैचों में खूबसूरती से बल्लेबाजी की है, वह शानदार फॉर्म में दिख रहा है। उसके पास मौजूद अनुभव को नहीं भूलना चाहिए। जिस समय श्रेयस अय्यर चोटिल हुए थे, आपको उस दिशा में देखना था।'' रहाणे की अगुवाई में भारत ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 30 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

न्यूज फ्लैश

सड़क हादसे में भाजपा नेता जागेश्वर की मौत

अररिया। अररिया- फारबिसगंज के बीच फोरलेन पर बारा ओवर ब्रिज के समीप शनिवार के दोपहर बाद हुई सड़क हादसे में बाइक सवार भाजपा नेता जागेश्वर ठाकुर(75) की मौत हो गई। मृतक पलासी प्रखंड के बलुआ ड्योढ़ी का रहने वाला था और जनसंघ काल से ही भाजपा से जुड़े थे।भाजपा के जिला और प्रदेश स्तरीय कमिटी में भी रह चुके थे। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष कुमार विकास ने बताया कि मानिकपुर बारा के समीप एक बाइक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दौरान बाइक में पीछे बैठे वृद्ध जागेश्वर ठाकुर की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। वही बाइक चालक जख्मी हो गया। मौके पर पहुंची सिमराहा थाना पुलिस ने मामले की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया भेज दिया।

पेंसिल के बेकार छिलकों से बच्चों ने बनाई मनमोहक कलाकृतियां

नवादा। मॉडर्न स्कूल ग्रुप के तीसरी कक्षा के सैकड़ों नन्हें बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक गतिविधियों से बेकार एवं रद्दी वस्तुओं की सहायता से रंग-बिरंगी, सुंदर एवं मनमोहक कलाकृतियों का निर्माण कर बेकार वस्तुओं के सदुपयोग के गुण सिखाएं। बच्चों ने पेंसिल को छीलने से निकलने वाले बेकार छिलकों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के आकर्षक कलाकृतियों का निर्माण करके अपनी रचनात्मकता से सभी को अभिभूत कर दिया। इस गतिविधि को मॉडर्न इंगलिश स्कूल, बिहारशरीफ की हिंदी शिक्षिका प्रियंका प्रसाद के दिशा निर्देशन में विद्यालय की सभी शाखाओं के कला-शिक्षकों एवं तीसरी कक्षा के वर्गशिक्षक की सहायता से आयोजित किया गया। गतिविधि में भाग लेने वाले तीसरी कक्षा के बच्चों एवं उनकी शिक्षिकाओं के इस बेहतरीन प्रयास की सराहना करते हुए मॉडर्न शैक्षणिक समूह के निदेशक डॉ अनुज कुमार ने शनिवार को कहा कि ऐसे क्रियाकलाप बच्चों में ना सिर्फ रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं बल्कि इसके साथ ही साथ उनके अंदर एकाग्रता एवं सौंदर्यबोध की क्षमता भी उत्पन्न करते हैं। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के अंदर चीजों के सदुपयोग की प्रवृत्ति भी बढ़ती है। बच्चे ना केवल अपने वस्तुओं को संयोजन एवं सवारने की कला सीखते हैं, बल्कि अपनी चीजों को बेकार फेंक देने के बजाए आसपास के वातावरण में बिखरे व्यर्थ की चीजों के माध्यम से कुछ नया बनाने के लिए भी प्रेरित होते रहेंगे। इससे उनके भविष्य को सकारात्मक दिशा प्राप्त होगी। बच्चों के द्वारा बनाए गए फल-फूल, गमले, मछली, पौधे, गुलदस्ते आदि एक से बढ़कर एक आकर्षक एवं मनमोहक कलाकृतियों को देखकर विद्यालयों के सीनियर विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं कई अभिभावकों ने खुले दिल से प्रशंसा की और इतनी कम उम्र में बच्चों के द्वारा ऐसी रचनात्मक कलाकारी को देखकर सभी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की हार्दिक कामना की। कबाड़ से जुगाड़ गतिविधि को सफल बनाने में मॉडर्न ग्रुप के शिक्षक-शिक्षकाओं जयराम कुमार, पंकज पांडे, सुमित्रा शुभा, संतोष कुमार, शुभलता, पायल कुमारी, पूनम कुमारी, कृपा, प्रियंका, मनीषा, लकी, मानसी एवं शिवकिंकर मिश्रा आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

'उप्र में अब बिना भेदभाव हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी'

निकाय चुनाव को लेकर योगी की गोरखपुर, महराजंगज, देवरिया, कुशीनगर व वाराणसी में सभाएं

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर शनिवार को धुआंधार पांच जनसभाएं गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर और वाराणसी में कीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों को बताया कि नगर निकाय का चुनाव विकास के दृष्टि से कितना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी ने हर जनसभा में भाजपा सरकार के किए कार्यों के आधार पर वोट मांगा तो विपक्षियों पर प्रहार भी किया। उन्होंने बिना भेदभाव हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी की भी बात कही। योगी ने अपील की कि चार मई को हर हाल में वोट अवश्य दें और सही लोगों को जिताकर भाजपा का बोर्ड बनाकर विकास की गति दें।

उन्होंने कहा कि कुशीनगर में कभी बीमारी और भूखमरी से मौतें होती थीं पर आज यह जनपद नई आभा के साथ निखर रहा है। योगी ने देवरिया का अस्तित्व पुनः लौटाने का वायदा किया और वाराणसी में कहा कि काशी आने पर मुझे गर्व होता है। मैंने सर्वाधिक यात्रा यहीं की की।

उप्र में बिना भेदभाव हर व्यक्ति की सुरक्षा की गारंटी: गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और गोरखपुर नई आभा के साथ तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। पूर्व में यहां गुंडा टैक्स एवं रंगदारी वसूली जाती थी। गरीबों की सम्पत्तियों, व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर गुंडे, माफिया, सत्ताधारी दल के लोग कब्जा कर लेते थे, जबकि आज यूपी इस अराजकता से मुक्त हो चुका है। व्यापार-उद्योग के क्षेत्र में रिफॉर्म के अनेक कार्य हुए हैं। आज वैश्विक बाजार पूरी तरह भारत के लिए खुला हुआ है। इन सबका सकारात्मक प्रभाव प्रति व्यक्ति आय और जीवन स्तर पर पड़ा है। भाजपा सरकार में वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के लिए स्मार्ट एवं सेफ सिटी के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के 10 शहरों का चयन किया तो गोरखपुर समेत 7 अन्य का चयन राज्य सरकार ने स्टेट मिशन के अंतर्गत किया। यहां 40 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। जल्द ही हम मेट्रो की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

जहां आवश्यकता होगी, वहां रोपवे की भी सुविधा देंगे। सीएम ने व्यापारियों की चुटकी ली और कहा कि 4 मई को नेपाल जाने की भूल मत करिएगा। उन्होंने कहा कि पहले एक घंटे की बारिश में गीता प्रेस, साहबगंज जैसे इलाकों में तीन फुट पानी जमा हो जाता था। लगातार 48 घंटे बारिश के बावजूद जलभराव नहीं हुआ। जलभराव के स्थायी समाधान के लिए ही गोड़धोइया नाला परियोजना पर काम शुरू किया गया है।

आज व्यापारी सीना तानकर चलता है और अपराधी सिर झुकाकर : महराजगंज में योगी ने कहा कि पहले माफिया सीना तानकर चलता था और व्यापारी झुक कर। आज व्यापारी सीना तानकर चलता है और अपराधी सिर झुकाकर, गले में तख्ती लटकाकर, जान की भीख मांगता है। सरकार बदलने पर कैसे परिवर्तन होता है, ये आज हर कोई महसूस कर सकता है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव का महत्व क्या है, ये आप सभी को समझने की जरूरत है।

गलत लोग आ जाएंगे तो जनता का नुकसान होगा। ऐसी गलती करने की जरूरत नहीं है। हम लोग अपने नगर निकायों और ग्राम पंचायतों को ऐसा बनाना चाहते हैं, जहां से उसके ज्यादातर काम ऑनलाइन हो जाएं और आपको प्रमाणपत्रों के लिए इधर उधर भटकना ना पड़े।

भाजपा सरकार में सभी तबकों को मिल रहा योजनाओं का लाभः कौशल

लखनऊ। केन्द्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में समाज के सभी तबकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए एक ही विकल्प है कि भारतीय जनता पार्टी की ट्रिपल इंजन की सरकार बने। कौशल किशोर ने भारतीय जनता पार्टी की महापौर उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल व विद्यावती द्वितीय वार्ड में भाजपा पार्षद उम्मीदवार कौशलेंद्र दिवेदी व शारदा नगर प्रथम वार्ड के पार्षद उम्मीदवार हिमांशु अंबेडकर को वोट देने की अपील की। कौशल किशोर ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार समाज के अंतिम पायदान में बैठे व्यक्ति की चिंता करती है।

'मन की बात' कार्यक्रम सुनने को आज भी खुलेंगे विद्यालय'

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

प्रदेश में प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने को 30 अप्रैल (रविवार) को भी विद्यालय खुलें रहेंगे। विद्यालय स्तर पर प्रसारित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं बनाने को कहा गया है। 'मन की बात' कार्यक्रम का 100वां एपिसोड रविवार को प्रातः 11 बजे ऑल इंडिया रेडियो, डीडी नेशनल और डीडी न्यूज आदि से प्रसारित किया जाना है। राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा बंशीधर तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से बच्चों,अभिभावकों,अध्यापकों और विद्यालयों के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, इसलिए कार्यक्रम का प्रसारण सभी हितधारकों जिसमें बच्चे महत्वपूर्ण और उपयोगी है। कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार हो सके और शिक्षक व छात्र-छात्राएं कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकें। इसके लिए शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है। इसको ध्यान में रखते हुए 30 अप्रैल को समस्त विद्यालय संचालित रहेंगे। सभी छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम को दिखाया जायेगा। बंशीधर तिवारी ने कहा कि 'मन की बात'कार्यक्रम विद्यालय स्तर पर प्रसारित करने के लिए विद्यालय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं टेलीविजन, एलईडी, रेडियो, वर्चुअल क्लास, स्मार्ट कक्षा, कम्प्यूटर, लैपटॉप करने को कहा है। यदि उल्लिखित संसाधनों की व्यवस्था नहीं हो सकती है तो मोबाइल के माध्यम से भी छात्र-छात्राओं को 'मन की बात' कार्यक्रम से जोड़ने को कहा गया है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ती जा रही है। सभी पार्टियों के नेता इन अंतिम दिनों में जमकर प्रचार कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने भी 10 मई को होने वाले चुनाव की तैयारियां कर ली हैं। इस चुनाव में कई खास चीजें होंगी। जैसे- बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से वोट डालने के लिए एक नई पहल 'वोट फ्रॉम होम' की सुविधा होगी।

'विश्व की अनोखी घटना है प्रधानमंत्री का जनता के साथ सीधा संवाद'

बेगूसरायः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100वें संस्करण पर बेगूसराय जिले के करीब आठ सौ स्थानों पर इसका आयोजन किया जा रहा है। सभी स्थलों पर सौ-सौ लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के आधार पर बड़ा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात का देश के लोगों पर व्यापक असर है।

जरूर सुनें प्रधानमंत्री के 'मन की बात' : योगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की जनता से अपील की है कि रविवार को दिन में 11 बजे प्रसारित होने जा रहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सभी लोग अवश्य सुनें। योगी ने अपने ट्विटर हैंडल से इस बारे में सूचना देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात जन-गण के मन तक पहुंचती है। योगी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्कृति को समृद्ध करते, सभी को प्रेरणा प्रदान करते और आमजन के मन को एकात्मता के भाव से जोड़ते इस कार्यक्रम में 'मन की बात' की बात होती है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से अनेक नवाचारों, विभिन्न सामाजिक सरोकारों एवं विविध मुहिमों को सशक्त मंच प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि कल सभी लोग प्रधानमंत्री की 'मन की बात' के 100वें एपिसोड को अवश्य सुनें और भारत के मन से जुड़ें। वैसे मुख्यमंत्री योगी स्वयं रविवार को कर्नाटक के चुनावी दौरे पर होंगे। वह वहां कोप्पल जिले की गंगावती विधानसभा में पब्लिक मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे।

'ऐतिहासिक होगा 'मन की बात' का 100वां एपिसोड'

टीम एक्शन इंडिया/हरिद्वार

हरिद्वार सांसद डा.रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम का 100वां एपिसोड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होगा। रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। जनपद के प्रत्येक बूथ पर 100 लोग प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे। 'मन की बात' का सौ वां एपिसोड ऐतिहासिक होगा। प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डा.निशंक ने बताया कि ऋषिकुल ऑडिटोरियम में भी 'मन की बात' कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें कई संत मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी पहले प्रधानमंत्री है, जो

मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से 100 करोड़ लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर रहे है। 'मन की बात' एक सामाजिक कार्यक्रम है, जो देश जोड़ने और मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। 'मन की बात' के जरिए प्रधानमंत्री देश के अंतिम व्यक्ति से संवाद करते हैं। कुछ संतों के हरिद्वार से संत को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने की मांग करने पर डा.निशंक ने कहा कि संतों का आशीर्वाद उनके साथ भी है।

साधा निशाना

गरीबों को आवास, शौचालय गैस व विद्युत कनेक्शन मिला है: उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

'जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलाने का काम किया उनकी जमानत जब्त कराएं'

टीम एक्शन इंडिया/अयोध्या

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को मणिरामदास छावनी के सभागार में आयोजित प्रबुद्धवर्ग सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान सपाईयों का नारा था कि खाली प्लाट हमारा है। माफिया उस काल में गाड़ियों के काफिले के साथ दस- दस बंदूकें लेकर चलते थे। सपा ने अपने शासन काल में प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने का कार्य किया था। उस समय एक हजार से अधिक दंगे हुए। आज अपराधी तख्ती

लगाकर घूम रहे है कि हमको गिरफ्तार कर लो, हम गुण्डागर्दी नहीं करेंगे। ब्रजेश पाठक ने कहा कि वह लोग भी चुनाव मैदान में हैं। अयोध्या में जिन लोगों ने कारसेवकों पर गोली चलाने का काम किया था। आज जनता उनकी जमानत जब्त कराने का काम करेगी। सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच को जमीन पर उतारने का काम किया है। आज हर घर को पानी मिल रहा है। गरीबों को आवास, शौचालय गैस व विद्युत कनेक्शन मिला है।यूपी के सभी जनपदों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। इस अवसर पर अयोध्या सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि परियोजनाओं की श्रंखलाओं के माध्यम से केन्द्र प्रदेश सरकार रामनगरी अयोध्या का विकास कर रही है। योजनाओं लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को मिला है।

जिससे आम जनता में उत्साह का माहौल है। समारोह में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भाजपा इस चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। हम सबका साथ सबका विकास के पथ चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे है।

जय श्री श्याम जय श्री श्याम

श्री राम मन्दिर

प्रबंध समिति : श्री राम नाटक संकीर्तन मण्डल (रजि.)

गली नं.7 मजलिस पार्क, दिल्ली-33

श्री खाटू वाले श्याम जी की मूर्ति स्थापना

सोमवार 1 मई 2023 भण्डारा दोपहर 12 बजे

पूजन, हवन एवं प्राण प्रतिष्ठा प्रातः 9 बजे

संकीर्तन प्रातः 10 बजे जोगेन्द्र चंचल एण्ड पार्टी द्वारा

सौजन्य से : श्री अनिल गर्ग जी परिवार

नगर भ्रमण निशान यात्रा रविवार 30 अप्रैल 2023 सायं 5 बजे

महिला एवं पुरुष सकीर्तन मंडल द्वारा

मूर्ति स्थापना एवं भण्डारा सेवा
श्री सुधीर अग्रवाल जी परिवार,
श्री मोहित जिन्दल जी सुपुत्र श्रीमती सुमित्रा जिन्दल जी परिवार
श्री दर्पण गुप्ता जी परिवार
श्री श्याम परिवार कल्याण मजलिस पार्क

छप्पन भोग सेवा — श्री अवधेश गुप्ता जी परिवार

प्रसाद सेवा
श्री सागर नागपाल जी सुपुत्र श्री विनोद नागपाल जी
श्री रोहित त्यागी जी सुपुत्र श्री सुरेन्द्र त्यागी जी,
श्री विकास चौधरी जी, श्री मोहित कुमार जी सुपुत्र डॉ.जी.एस.कुमार जी

जो भी सदस्य एवं भक्तजन निशान यात्रा में निशान उठाना चाहते है वो 51/- रू. देकर 30 अप्रैल 2023 तक मन्दिर में पण्डित जी से या नीचे लिखे पदाधिकारियों से निशान के लिए कूपन ले सकते हैं।

आप सभी इष्ट मित्रों एवं परिवार सहित सादर आमंत्रित हैं।

सम्पर्क सूत्र :

नरेश टण्डन प्रधान 9891406085

सुनील खन्ना महासचिव 9350073195

सुधीर अग्रवाल कोषाध्यक्ष 9811064583